उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

वार्षिक प्रतिवेदन– 2017–18

हमारा स्कूल– उरमूल स्कूल

माहः अप्रेल 2017 से मार्च 2018 तक

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	आजीविका कार्यक्रमः (ए) घरेलू आर्थिक सुरक्षा कार्यक्रम (HES) (बी) महिलाओं का आयवर्द्धन कार्यक्रम–कशीदाकारी (सी) नाबार्ड की कृषि एवं हस्तकला उद्यम विकास परियोजना (डी) उरमूल कृषि फार्म (ई) उषा सिलाई स्कूल (एफ) गरीबी शमन परियोजना (एमपावर)	3–11
2	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम, आरकेसीएल, आशा किरण एवं उरमूल स्कूल	12–14
3	प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास (ECCD) समेकित बाल विकास परियोजना	14–15
4	स्वास्थ्य कार्यक्रम राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम (आर.एस.आई.पी)	16–19
5	बाल सुरक्षा एवं बाल भागीदारी कार्यक्रम (ROC & Governance) चाईल्ड हेल्पलाइन 1098	20–23
6	पानी, सफाई व स्वच्छता कार्यक्रम (WASH)	23–24
7	नेशनल लेवल मॉनिटरिंग	25
8	स्पोन्सरशिप कार्यक्रम	26–27
9	वित्तीय प्रगति विवरण	28

कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट

आजीविका कार्यक्रम (आर्थिक सुरक्षा व आर्थिक सशक्तिकरण)

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकें	493	5812
2	स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिकेज व जल संरक्षण जागरूकता हेतु विशेष कार्यक्रम (99 समूहों को 50 लाख रूपये)	1	800
3	स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज (60 समूहों को रूपये 15 लाख 30 हजार रूपये)	159	2092
4	बकरी पालक समूहों के साथ बैठकें	22	298
5	ई शक्ति योजना के तहत् स्वयं सहायता समूहों का डाटा कलेक्शन	794	9488
6	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं का मेला– 2017 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं का सम्मेलन– 2018	1 1	193 245
7	एक्सपोजर विजिट, एमपावर– जाम्बा (बाप ब्लॉक)	1	50
8	स्वयं सहायता समूह लेखाकारों का दो दिवसीय प्रशिक्षण	3	98
9	स्वयं सहायता समूह पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण	5	181
10	30 दिवसीय सोलर होमलाईट व मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण	2	57
11	क्लस्टर स्तरीय स्वयं सहायता समूह लेखा संधारण व वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण	18	592
12	बकरी पालक परिवारों (समूह सदस्यों) के साथ बकरियों के स्वास्थ्य प्रबन्धन, आहार व घरों में बकरियों के रखरखाव व मार्केटिंग आदि विषयों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	36	366
13	किसान क्लबों के डिजिटाइजेशन के लिये डाटा कलेक्शन	20	278
14	स्कूली छात्रों के साथ जैविक खेती प्रशिक्षण	1	60
15	कशीदाकारी प्रशिक्षण	1	27

1. **स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकें:** अप्रेल 2017 से मार्च 2018 तक कुल 493 स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकें आयोजित हुई। बैठकों में समूह की मजबूती एवं पंचसूत्रों– नियमित बैठक, नियमित मासिक बैठकें, आन्तरिक लेनदेन, ऋणों की समय पर चुकौती व रिकॉर्ड संधारण आदि पर चर्चा की गई। इसके अलावा नाबार्ड के ई–शक्तिः स्वयं सहायता समूहों का डिजिटाइजेशन कार्यक्रम के तहतृ समूहों के सदस्यों की जानकारी संकलित की गई। इन बैठकों में स्पोन्सर्ड परिवारों के साथ किये जा रहे कार्यो के बारे में भी जानकारी दी गई।
2. **स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिकेज व जल संरक्षण जागरूकता हेतु विशेष कार्यक्रमः** माह जून 2017 में स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज के लिये नाबार्ड व उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू द्वारा एक विशेष कार्यक्रम रखा गया। 12 जून 2017 को गजनेर में आयोजित इस कार्यक्रम में केन्द्रीय वित्त एवं कम्पनी मामलात राज्य मंत्री श्री अर्जुनराम जी मेघवाल व नाबार्ड के मुख्य महाप्रबन्धक ए. के. सिंह द्वारा जिले के 170 समूहों को एक करोड़ रूपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किये गये, जिनमें से कोलायत ब्लॉक के 99 समूहों को 50 लाख से अधिक के ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे गये। कार्यक्रम में कोलायत ब्लॉक के विभिन्न गांवों से आई करीब 800 महिलाओं को विशिष्ट अधिकारियों द्वारा ऋण का उपयोग आजीविका के लिये करने के साथ ही जल संरक्षण के बारे में भी संदेश दिया। 3 समूहों व 1 किसान क्लब को उत्कृष्ट कार्य के लिये मंत्री महोदय द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस अभियान के अलावा विभिन्न बैंकों के माध्यम से 60 अन्य समूहों को कुल 15 लाख 30 हजार रूपये के क्रेडिट लिंकेज से लाभान्वित किया गया।
3. **बकरी पालक समूहों के साथ बैठकें:** प्लान के वर्ष 2017–18 के पीओ में स्वयं सहायता समूहों के साथ बकरी आधारित आजीविका के लिये कार्य किये जाने का तय किया गया है। इस कार्यक्रम के प्रति समझ बनाने व गतिविधियों के आयोजन के लिये इस तिमाही में बकरी पालन करने वाले 22 स्वयं सहायता समूहों के साथ बैठकें आयोजित की गई। इस माह कुल 22 बैठकों में महिलाओं से बकरी पालन सम्बन्धी जानकारियां एकत्र की गई।

4. **ई शक्ति योजना के तहत् स्वयं सहायता समूहों का डाटा कलेक्शनः** भारत सरकार की डिजिटल इण्डिया योजना के अन्तर्गत नाबार्ड के ई शक्ति– स्वयं सहायता समूहों का डिजिटाइजेशन कार्यक्रम के तहत् प्रतिमाह कुल 794 स्वयं सहायता समूहों की समस्त सूचनाओं, जैसे सभी समूह की बैंक सम्बन्धी सूचना, बचत, ऋण, आन्तरिक लेनदेन, कैश क्रेडिट लिमिट एवं सदस्यों की शिक्षा, आधार व अन्य पहचान पत्र, सम्पर्क नम्बर, वित्तीय वर्गीकरण (एपीएल या बीपीएल) आदि सूचनायें संकलित करके ओनलाईन अद्यतन किया गया।
5. **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं का मेला–2017:** दिनांक 23 अप्रेल 2017 को बज्जू में महिलाओं एवं बालिकाओं का एक दिवसीय मेला आयोजित किया गया। इस मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं किशोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं ने सामाजिक कुप्रथाओं की रोकथाम, गांवों में बालिकाओं की उच्च शिक्षा को बढावा देना एवं समूहों की महिलाओं को अपने गांव के आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक विकास हेतु प्रेरित करने के लिये अपने विचार साझा किये और संस्था के सहयोग से कोलायत ब्लॉक को एक आदर्श के रूप में स्थापित करने की बात कही। विभिन्न गांवों से आई स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं व किशोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं ने बाल विवाहों से बालिकाओं के सामाजिक, शारीरिक व स्वास्थ्य की दृष्टि से अवरूद्ध हो रहे विकास के बारे में संवाद करके इसको जड़ मूल से खतम करने की कसम खाई। मेले में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों एवं किशोरी प्रेरणा मंचों से कुल 193 संभागियों ने भाग लिया।

   –अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं का मेला–2018: ''महिलाओं को दें शिक्षा का उजियारा– पढ़ लिखकर करें रोशन जग सारा'' एवं ''तू बोलेगी मुंह खोलेगी, तब ही तो जमाना बदलेगा'' जैसे उद्घोषों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च 2018 को उरमूल–प्लान क्षेत्र के गिराजसर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्वयं सहायता समूहों के पदाधिकारियों के एक दिवसीय सम्मेलन का आगाज हुआ। इस वर्ष यह समागम वैश्विक स्तर पर ***महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण*** की थीम पर मनाया गया।

   दिनांक 8 मार्च 2018 को आयोजित इस समागम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं किशोरी प्रेरणा मंचों की पदाधिकारियों ने सामाजिक कुप्रथाओं की रोकथाम, गांवों में बालिकाओं की उच्च शिक्षा को बढावा देना एवं समूहों की महिलाओं को अपने गांव के आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक विकास हेतु प्रेरित करने के लिये अपने विचार साझा किये। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के अधिकारी, गांवों के जागरूक किसान व किशोरी बालिकायें भी इस समागम में सहभागी बने। पेथड़ासर गांव की ही सच्चा सौदा महिला समूह की जागरूक महिला भंवरी देवी ने गांव की महिलाओं द्वारा अपने आप को सामाजिक व आर्थिक रूप से मजबूत करने के बारे में बताया व संस्था द्वारा समय समय पर विभिन्न मुद्दों जैसे अजोला घास की खेती, वर्मी कम्पोस्ट, वर्षाती पानी के संग्रहण व रखरखाव, खुले में शौच न जाने व बालिका शिक्षा के बारे में मिले प्रशिक्षणों से महिला समूहों की महिलाओं ने अपने घरों में इसको अपनाने की बात साझा की।

   कोलासर पश्चिम गांव में 25 वर्षों से ज्यादा समय से छोटे बच्चों के पोषण, बालिका शिक्षा व महिलाओं के साथ एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में काम करने वाली जागरूक महिला श्रीमती खेतू बाई ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गांव मे पहले महिलायें अपने घरों से बाहर नहीं निकलती थीं। जब से गांव में उरमूल ने महिला समूहों के गठन, बालिकाओं के समूहों व किसानों के साथ संगठनात्मक कार्य प्रारम्भ किया तो सभी की एक सोच विकसित हुई कि जब तक हम खुद जागरूक नहीं होंगे तब तक गांव के विकास का सपना अधूरा रहेगा। इसी सोच के साथ गांव के लोगों ने चारा संग्रहण, उन्नत खेतीबाड़ी व बेटियों को पढाने जैसे मुद्दों पर उरमूल के साथ मिलकर कदम बढाये। नाबार्ड व बैंक के अधिकारियों ने महिलाओं को बैंक ऋण व अनुदानित योजनाओं के लिये प्रेरित किया।
6. **एक्सपोजर विजिट, एमपावर– जाम्बा (बाप ब्लॉक)**: माह अप्रेल 2017 में एक्सपोजर विजिट आयोजित की गई। कोलायत प्लान परियोजना क्षेत्र के महिला समूहों की 50 महिलाओं को बाप ब्लॉक में जाम्बा के महिला समूहों द्वारा किये जा रहे कबकरी पालन, वृक्षारोपण व अन्य कार्यों के प्रति समझ बनाने व अपने समूहों में लागू करने के उद्येश्य से करवाई गई। इस विजिट में महिलाओं ने फलदार पौधों व वर्मी कम्पोस्ट आधारित आजीविका, बकरी पालन व समूहों द्वारा किये जा रहे अन्य कार्यों को देखा।
7. **स्वयं सहायता समूह लेखाकारों का दो दिवसीय प्रशिक्षण**: स्वयं सहायता समूहों के लेखाकारों के लिये 2 दिवसीय क्लस्टर स्तरीय तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षणों में सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा समूहों

में रिकॉर्ड संधारण की आवश्यकता, इसके फायदे, खातों के व्यवस्थित रखरखाव के महत्व, लेखाकार के चयन के आवश्यक मापदण्ड व समूहों के लिये आवश्यक 4 प्रकार के रिकॉर्ड, जैसे– बैठक कार्यवाही रजिस्टर, रोकड़ बही, लेखा बही व सदस्य पासबुक आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और प्रायोगिक तौर पर संभागियों के ग्रुप बनाकर अभ्यास करवाया गया।

8. **दो दिवसीय स्वयं सहायता समूह पदाधिकारी प्रशिक्षण:** स्वयं सहायता समूहों के पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा समूहों के गठन की अवधारणा, पंचसूत्रों एवं समूह गठन से होने वाले फायदों के बारे में बताया। प्रशिक्षणों में सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा समूहों के गठन की अवधारणा, पंचसूत्रों एवं समूह गठन से होने वाले फायदों के बारे में बताया।
   प्रशिक्षणों में सम्भागियों को वर्तमान दौर मे नोटबन्दी व कैशलेस लेनदेन व्यवस्था के बारे में महिलाओं से चर्चा की और अधिक से अधिक लेनदेन, कैशलेस करने के लिये प्रेरित किया। प्रशिक्षणों मे नाबार्ड के सहायक महाप्रबन्धक ने वित्तीय साक्षरता के बारे में सत्र लिया और महिलाओं को अपने व्यक्तिगत व समूहों के खातों से लेनदेन के लिये एटीएम कम डेबिट कार्ड, रूपै कार्ड व स्वाइप मशीन का उपयोग करने के लिये प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना क बारे में जानकारी दी कि इसमें आवेदन करने पर 50,000 रूपये से 10 लाख रूपये तक का ऋण सहायता दी जाती है जिससे समूह अपने रोजगार के साधन प्रारम्भ कर सकते हैं। इसके अलावा गड़ियाला क्लस्टर के 9 स्वयं सहायता समूहों के साथ समूहों में नियमित लेखा संधारण, लेखा संधारण की समूह में उपयोगिता एवं पंचसूत्रों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें कुल 102 समूह सदस्यों ने भाग लिया।

9. **30 दिवसीय सोलर होमलाईट व मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण:** माह अप्रेल–मई 2017 के दौरान 30–30 दिनों के बिजली फिटिंग व सोलर लाईट रिपेयरिंग व मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इन प्रषिक्षणों का मूल उद्येश्य ग्रामीण युवा वर्ग को बिजली फिटिंग व सोलर लाईट रिपेयरिंग व मोबाइल रिपेयरिंग के तकनीकी ज्ञान में पूर्ण रूप से प्रशिक्षित करके आर्थिक, सामाजिक व पारिवारिक रूप से सुदृढ बनाकर रोजगार व स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इन प्रशिक्षणों में प्लान क्षेत्र के गांवों के स्पोन्सर्ड व नोन स्पोन्सर्ड परिवारों के युवाओं को जोड़ा गया। बीकानेर व जैसलमेर जिलों में सोलर हब के रूप में स्थापित सोलर प्लान्ट्स में भी रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण के समापन पर जो परिणाम सामने आये हैं, उनके अनुसार निश्चित रूप से युवाओं को इन सोलर प्लान्ट्स व थर्मल पावर में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। प्रशिक्षण के शुरूआती दिनों में दोनों ट्रेड की थ्योरी के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण हुआ। 7 दिनों के बाद प्रेक्टिकल करवाये गये। बिजली फिटिंग प्रशिक्षण में स्थानीय प्रशिक्षणों के अलावा सेल्कोन फाउण्डेशन, उड़ीसा, सेल्कोन बैंग्लोर और बूंद संस्था, उदयपुर के प्रशिक्षकों ने बिजली फिटिंग के लिये तकनीकी, प्रायोगिक व अन्य समस्त जानकारियों का प्रशिक्षण दिया।

10. **क्लस्टर स्तरीय स्वयं सहायता समूह लेखा संधारण व वित्तीय साक्षरता विषयक दो दिवसीय प्रशिक्षण**: माह सितम्बर 2017 से मार्च 2018 के दौरान स्वयं सहायता समूहों के 2 दिवसीय लेखा प्रबन्धन एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण के अन्तर्गत 3–3 समूहों के कुल 18 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में लेखा संधारण की आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के लेखा पुस्तिकाओं जैसे बचत रजिस्टर, बैठक कार्यवाही रजिस्टर, ऋण रजिस्टर, रोकड़ रजिस्टर व व्यक्तिगत पासबुक आदि नियमित संधारण के, फायदे, लेखा संधारण की जिम्मेदारी आदि के बारे में दक्ष प्रशिक्षक द्वारा विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों को दीर्घावधि तक संचालन के लिये आवश्यक पंचसूत्र जैसे नियमित बैठक, नियमित बचत, आपसी लेनदेन, ऋणों का समय पर भुगतान व सामान्य रिकॉर्ड संधारण आदि के पालन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

11. **बकरी पालक परिवारों (समूह सदस्यों) के साथ बकरियों के स्वास्थ्य प्रबन्धन, आहार व घरों में बकरियों के रखरखाव व मार्केटिंग आदि विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण**: जो स्वयं सहायता समूह, बकरी पालन आधारित आजीविका कार्यक्रम के तहत् इस वर्ष चयन किये गये हैं, उनके साथ करी पालन के मुख्य 4 आधार स्तम्भ– बकरियों की नस्ल सुघार, स्वास्थ्य प्रबन्धन, आहार व आवास एवं मार्केटिंग आदि के बारे में कुल 24 प्रशिक्षण किये गये। प्रशिक्षणों में आई बकरी पालक स्वयं सहाता समूहों की कुल 266 महिलाओं को सिरोही नस्ल के बकरों के बारे में जानकारी दी गई व इसके साथ ही बकरियों में होने ाली मुख्य बीमारियों व उनके उपचार, उनके आहार व आवास व बाजार व्यवस्था के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

12. **किसान क्लबों का डिजिटाइजेशन कार्यः** नाबार्ड के सहयोग से गठित किसान क्लबों के डिजिटाईजेशन कार्य हेतु फील्ड से सदस्यों व किसान क्लबों की जानकारी, नाबार्ड द्वारा प्राप्त प्रपत्रों में संकलित की गई। इसमें कुल 20 में से 15 किसान क्लबों के डाटा संकलित करके अपलोड किये गये।
13. **छात्रों के साथ तीन दिवसीय जैविक खेती प्रशिक्षणः** अपने क्षेत्र में कृषि एवं पशुपालन को आजीविका के रूप में विकसित करने के उद्येश्य से स्कूली छात्रों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सम्भागियों को घर पर ही अपने पशुओं के लिये अजोला घास तैयार करने की विधि, दुधारू पशुओं के दूध में वृद्धि के लिये इस घास में नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटेशियम को जमा करने की शक्ति होने के कारण इसकी उपयोगिता, घर पर ही वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने की विधि, अपने खेत की मिट्टी जांच करने के बारे में जानकारी देने के साथ साथ पानी संरक्षित करने के बारे में प्रेरित किया गया। इसके अलावा कृषि व पशुपालन के लिये पुराने समय से चल रहे तरीकों को पुनः जीवित करने की जरूरत बताते हुए कहा कि कृषि व पशुपालन एक दूसरे पर निर्भर हैं। जल, थल व मल आपस में एक दूसरे के पूरक हैं। ''एक सबके लिये, सब एक के लिये'' मूलमंत्र के साथ सम्भागियों को अपना संगठन बनाने के लिये प्रेरित किया।
14. **महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ कशीदाकारी प्रशिक्षण**ः माह दिसम्बर 2017 में उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर के एक्सेंचर प्रोजेक्ट के अन्तर्गत संस्था द्वारा परियोजना क्षेत्र के सुरजड़ा गांव के स्वयं सहायता समूहों की 27 महिलाओं के साथ कशीदाकारी कार्यक्रम का 15 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में कशीदाकारी के विभिन्न प्रकार, कशीदा उत्पादों की वर्तमान बाजारों में मांग, क्वालिटी नियन्त्रण आदि के बारे में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान दक्ष प्रशिक्षकों की मदद से संभागियों ने टी–कोस्टर, ल्हेस, पाउज, फूल व राखी आदि उत्पाद तैयार किये गये।

आयवर्धन कार्यक्रम

2017–18 में उरमूल सीमांत समिति द्वारा संचालित आयवर्धन कार्यक्रम नवाचार का वर्ष रहा। इस वर्ष न केवल महिलाओं को कशीदाकरी में प्रशिक्षण और काम मिला बल्कि आई.जी.पी ने कई नये गाँवों में क्राफ्ट और बंधेज का कार्य प्रारम्भ किया है।

इस वर्ष आईजीपी का कार्य क्षेत्र इस तरह है–

CRAFT	VILLAGE	NO. OF ARTISANS	EMB. GRADE	APPLIQUE GRADE	TIE-DYE GRADE	STITCHING GRADE
SUF	1BD / SHIVNAGAR	10	A		-	-
SUF		20	B	-	-	-
SUF / PUKKA/ KHARAK/ KHAMBIRI/ MUKKA	DELI TALAI	30	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	2AD - CHANDANI	60	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	2AD - CHAIRMAN	30	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	6AD	20	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	7AD	40	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	8AD	20	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA		10	B	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	9AD	15	A	-	-	-
SUF / PUKKA / KHARAK / KHAMBIRI / MUKKA	2DO	70	A	-	-	-
SINDHI / LATTHA / CHUN / MIRROR	DANDKALA	50	A	-	-	-
SINDHI / LATTHA / CHUN / MIRROR/ TASSLES	GOKUL	30	B	C	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	JODHASAR	16	B	A	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE/TASSLE	BANDHALI	40	C	C	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE/TASSLE	BHALURI	40	C	C	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	14AD	30	C	B	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	4KMW	30	B	B	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	ADURI	10	C	B	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE	PARVATI TALAI	20	C	C	-	-
CHUN / KACCHA / APPLIQUE/TASSLE	PUGAL	20	C	-	-	-
TIE-DYE	KAAVNI	40	-	-	C	-
TIE-DYE	NAL	20	-	-	B	-
		20	-	-	C	
TIE-DYE	LAKHUSAR	30	-	-	C	-
TIE-DYE	JHALWALI	30	-	-	C	-
STITCHING	GHANTIYALI	10	-	-	-	A
STITCHING/CROCHET/TASSLES	NAPASAR	10	-	-	-	B
Total		**771**				

इस वर्ष की आईजीपी की आर्थिक स्तिथि इस प्रकार है–

क्र.सं.	विवरण	राशि (2016–17)	राशि (2017–18)	राशि (2018–19)
1	बिक्री	18,92,468.6	46,10,248	23,86,483
2	माल वापसी	0	17,135	8,18,042
3	शुद्ध बिक्री	18,92,468.6	45,93,113	15,68,441
4	ऑर्डर मिला	1,10,241	14,41,871	10,48,237
5	प्रारम्भिक शेष राशि	10,52,067.00	6,38,582	9,17,462.56
6	अन्तिम शेष राशि	10,73,241.2	7,86,625	18,77,972

इस वर्ष बढ़ते खर्चे और कम बिक्री को देखते हुए आईजीपी ने प्रदर्शनी पर जोर कम किया है और दुकानों के द्वारा बिक्री को बढाने का कार्य किया है। उरमूल का सामान अब इन शहरों में उपलब्ध है।

- दिल्ली
- जयपुर
- बंगलौर
- दुबई
- चेन्नई

इस साल आर्डर पर भी जोर दिया गया है जिन पार्टियों के नाम इस प्रकार हैं–

पार्टी का नाम	आर्डर रकम
रंगसूत्रा	314943
ओखाई इण्डिया	439328
आर. ए. स्टूडियो	95900

आईजीपी के देनदारों की सूची निम्नानुसार हैः–

Sr. No.	Sundry Debtors	Amount
1	Aarohi Shop	3,23,875.00
2	Abhivakti Show Room	45,595.00
3	Army Sajani Shop Bikaner	9,000.00
4	Minar International	3,72,426.00
5	Okhai (Gujarat)	3,22,512.00
6	Dharmender Kumar S/o Sanga Ram	56,165.00
7	Gandhi Smriti & Darshan Samity	31,493.00
8	Indradhanush (Jaipur)	41,465.50
9	Minar International Kottayam	1,38,705.80
10	Rangsutra Craft India Ltd	4,79,475.00
11	Ritu Agnihotri	17,242.10
12	Sanatkada, Lucknow	67,431.00
	Total	**19,05,385.40**

आईजीपी द्वारा इन लोगों का भुगतान करना हैः–

Sr. No.	Sundry Creditors	Amount
1	Bariya Finishing Center	5,855.00
2	Chandra Silk Pvt. Ltd	40,995.00
3	Desert Craft Trust	1,03,277.00
4	Het Ram Bishnoi	2,606.00
5	Madura Coats Pvt. Ltd;	18,149.00
6	Urmul Marusthali Bunakar Vikas Samity	16,884.00
	Total	**1,87,766.00**

इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए कुछ नयी पार्टियों को 2018 जनवरी में जोड़ा गया है जिनका काम मार्च 2018 तक पूरा होगा।

हस्तकला एवं कृषि आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम (नाबार्ड)

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा माह जनवरी 2016 में हस्तकला एवं कृषि में उद्यम विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन करने के लिये उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अन्तर्गत सीमान्त क्षेत्र के 150 किसानों एवं कशीदाकारी कार्यक्रम से जुड़ी 90 महिलाओं को उद्यम विकास से जोड़ने का कार्य किया गया। प्रशिक्षणों, शैक्षिक भ्रमण व उनके खुद के गांवों में ही खेती व हस्तकला से सम्बन्धित विशेषज्ञों की सेवायें लेकर उनकी आजीविका में वृद्धि हेतु प्रयास किये गये।

माह जनवरी से मार्च 2018 के मध्य बज्जू क्षेत्र के किसानों के साथ अजोला घास, वर्मी कम्पोस्ट व जैविक खेती की उपयोगिता के सम्बन्ध में आयोजित तीन दिवसीय दो प्रशिक्षणों में कुल 250 किसानों ने भाग लिया।

उरमूल कृषि फार्म

उरमूल कृषि फार्म के माध्यम से बीकानेर जिले के नहरी व बारानी क्षेत्र के किसानों को उन्नत कृषि, सोलर वाटर पम्प, बूंद बूंब सिंचाई, वर्मी कम्पोस्ट व कम पानी में होने वाली सब्जियों व फलदार पौधों की खेती को प्रदर्शन के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

- **फार्म में पौधे**ः वर्तमान में फार्म में आंवला 60, अनार 20, मौसमी 5, नींबू 65, किन्नू 40, मेहन्दी 20, गुन्दा 25, शहतूत 20, जाळ 5, खेजड़ी 10, रोहिड़ा 10, कनीर 15, नीम 4, बोरटी 5 पौधे, इस प्रकार कुल 304 पौधे लगे हुए हैं।
- **पौधों की बीमारियों का देशी उपचार**ः इन पौधों की बीमारियों से रक्षा के लिये देशी पद्धति से सामग्री तैयार की गई है जिसमें 2 किलो आक के पत्ते, 1 किलो बेसन, 200 ग्राम गुड़ को एक मटकी में 15 किलो पानी डालकर 7 दिनों तक बन्द करके रख दिया गया। सात दिन बाद 10 लीटर गोमूत्र मिलाकर 400 लीटर पानी में घोल किया गया और प्रत्येक पौधे में 2–2 लीटर डाला गया।
- **बिजाई**ः 15 बीघा में अभी मूंग, मोठ व ग्वार का बिजान किया गया।
- **फव्वारा सेट**ः 1 बीघा में सब्जियां लगाने के लिये फव्वारा सेट लगाया गया।
- **अजोला घास व वर्मी कम्पोस्ट**ः फार्म में अजोला घास व केंचुआ खाद के लिये 3–3 खेलियां बनाई गई हैं। इनकी सुरक्षा के लिये 31 फुट लम्बा एवं 42 फुट चौड़ा छपरा बनाया गया है क्योंकि 25 डिग्री से कम तापमान में ही केंचुआ जिन्दा रह सकता है और यहां पर गरमी के मौसम में 30 से 50 डिग्री तक तापमान रहता है।
- **गाय पालन**ः उरमूल फार्म में माह दिसम्बर 2017 में दो गायें खरीदी गई। इसका उद्धेश्य है कि संस्था परिसर में होने वाले प्रशिक्षणों व बैठकों में सम्भागियों को उच्च गुणवत्ता का दूध व दूध से बने पदार्थ उपलब्ध हों और उरमूल फार्म द्वारा तैयार की जा रही जैविक खेती से होने वाले चारे का उपयोग इन गायों के लिये हो। इसके अलावा गायों के गोबर व से वर्मी कम्पोस्ट व गोमूत्र से खेती के लिये कीटनाशक तैयार किया जा गया। वर्तमान में इन दोनों गायों से होने वाला प्रतिदिन 20 किलो दूध, उरमूल मेस में दिया जा रहा है और

इससे प्राप्त होने वाली राशि से गायों का रखरखाव आसानी से किया जा रहा है। केम्पस में गायों के लिये पक्का छपरा बनवाया गया है।

- **बीज बैंक**: बज्जू केम्पस में उरमूल ट्रस्ट के सहयोग से बीज बैंक स्थापित किया गया है। बज्जू क्षेत्र के 100 किसानों को इस बीज बैंक से जोड़ा गया है। कुल 2 लाख रूपये का ग्वार खरीदा गया है, जिसमें से 1 लाख रूपये उरमूल ट्रस्ट की सहयोगी वित्तीय संस्था ओरेकल द्वारा दिये गये हैं और 1 लाख रूपये 100 किसानों द्वारा 1000–1000 रूपये का अंशदान दिया गया है। बीज बैंक का लाभ वर्तमान में तो इन्हीं किसानों को जरूरत के अनुसार मिलेगा।

उषा सिलाई स्कूल

उषा इन्टरनेशनल के सहयोग से कोलायत व पूगल क्षेत्र में कुल 9 सिलाई स्कूल, बज्जू खालसा, बज्जू तेजपुरा, आरडी 931, 2 एडी, डण्डकला, भेलू, बीठनोक, डेली तलाई एवं मिठड़िया में संचालित किये जा रहे हैं। इन सिलाई स्कूलों के माध्यम से अब तक कुल 519 महिलाओं ने सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान में 60 महिलायें इन सिलाई स्कूलों में प्रशिक्षणरत हैं। इनके अलावा 10 क्लासिकल स्कूल भी माह फरवरी 2016 में खोले गये थे।

माह नवम्बर 2017 में क्षेत्र के 10 पुरूषों का सिलाई प्रशिक्षण आयोजित किया गया और 10 सिलाई स्कूल माह दिसम्बर 2017 से प्रारम्भ किये गये हैं।

पश्चिमी राजस्थान गरीबी शमन परियोजना (एमपॉवर)

परियोजना एक दृष्टि में–

राजस्थान सरकार के गरीबी उन्मूलन के विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में पश्चिमी राजस्थान गरीबी शमन परियोजना, जोधपुर संभाग के प्रत्येक जिले के एक–एक निर्धनतम ब्लॉकों में वर्ष 2009 से प्रारम्भ की गई। जोधपुर जिले के लिये **बाप ब्लॉक** का चयन किया गया तथा इसके अतिरिक्त बाड़मेर जिले में बायतू, जैसलमेर जिले में सांकड़ा, पाली जिले में बाली, जालौर जिले में सांचौर तथा सिरोही जिले में आबू रोड़ ब्लॉकों में परियोजना कार्य संचालित किये जा रहे हैं। परियोजना के अन्तर्गत चयनित ब्लॉकों की गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली शत–प्रतिशत जनसंख्या का बहुआयामी कार्यक्रमों/गतिविधियों के जरिये कायाकल्प करने का लक्ष्य निर्धारित है।

परियोजना के उद्देश्य–

1. अकाल के प्रभावों को कम करना तथा जल सुरक्षा का उचित प्रबन्ध करना।
2. लक्षित वर्ग के लिये आजीविका के नये अवसर सृजित करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना।
3. उत्पादकता में नवाचार तथा गुणात्मक सुधार।
4. उत्पादों के लिये बाजार लिंक सुनिश्चित करना।
5. महिलाओं–पिछड़ों तथा निराश्रितजनों का सशक्तिकरण कर समाज की मुख्य धारा में लाना।
6. राज्य सरकार की अन्य योजनाओं के निवेश के साथ सम्मिलन (convergence) करके ठोस एवं संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त करना।

परियोजना की मुख्य गतिविधियॉ

1. **बुनियादी सामुदायिक संस्थाओं का सशक्तिकरणः** इस गतिविधि के अन्तर्गत लक्षित समूहों में जेण्डर, सामाजिक, आर्थिक, वित्तीय एवं विकासशीलता को सम्मिलित करते हुए समुदाय आधारित संस्थाओं जैसे–स्वयं सहायता समूह, मार्केटिंग समूह, ग्राम विकास संगठन आदि को संगठित कर उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है। साथ ही अकाल के प्रभाव को कम करने हेतु मेडबन्दी, खेत तलाई, मृदा सुधार हेतु गतिविधियॉ, उद्यानिकी, कुओं का निर्माण, बूंद बूंद सिंचाई को बढ़ावा, पौधारोपण आदि सुविधायें विकसित करना। इस कार्य हेतु इन समूहों को समय समय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि इन्हें किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आये।
2. **आजीविका समर्थनः** आजीविका सृजन की समस्या बहुआयामी है इसलिये आजीविका सुधार कार्यक्रमों में अनेक सुधारात्मक पहलुओं का समावेश कर इस गतिविधि में लक्षित समूहों को आयसृजनात्मक गतिविधियों से लाभान्वित किया जा रहा है। वर्तमान में निम्न आयसृजनात्मक गतिविधियॉ की जा रही हैं–

- **बकरी आधारित आजीविका कार्यक्रम–** कार्यक्रम के तहत परियोजना क्षेत्र की 12 ग्रामपंचायतों (लूणा, चाखू, चिमाणा, घंटियाली, रोहिणा, बूंगड़ी, चाम्पासर, नोखड़ा भाटियान, जाम्बा, चारणाई, मोटाई व ननेऊ) के 1050 परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में ऐसे परिवारों का चयन किया गया जिनके पास कम

से कम 2 बकरियॉ एवं अधिकतम् 5 बकरियॉ हों। इस कार्यक्रम के तहत् इन परिवारों के सदस्यों को बकरी आधारित आजीविका से सम्बन्धित 3 प्रशिक्षण दिये जा रहे है जिनमें–कार्यक्रम का आधार व पूर्ण जानकारी, स्वास्थ्य प्रबन्धन व बाजार सम्पर्क है।

- **वर्षा आधारित कृषि उत्पादन कार्य**–इस कार्यक्रम के अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र के 1200 (अब तक कुल 2500) किसानों के साथ पारम्परिक कृषि के साथ–साथ नवीन तकनीकी बीजों का समावेश किया है जिनमें बाजरा, मूंग, मोठ, ग्वार व तिल है। इन बीजों का बीजान से पूर्व बीजोपचार करके जमीन को लाईन से लाईन बुवाई के तरीके से बीजान करवाया गया। प्रत्येक किसान को उनके पारम्परिक खेती व बीजोपचार व लाईन से बीजान करके प्राप्त फसल का प्रदर्शन करवाया।
- **डेयरी एवं पशुपालन विकास कार्यक्रम**–यह कार्यक्रम परियोजना के अन्तर्गत बनाये गये समूहों के सदस्यों, जिनके पास न्यूनतम एक गाय हों, के साथ प्रारम्भ किया गया है। इस कार्यक्रम में गायों के स्वास्थ्य, चारा, रख–रखाव व उन्नत नस्ल, समय पर टीकाकरण आदि का प्रशिक्षण देकर डेयरी आजीविका समूहों का निर्माण तथा साथ ही साथ ऑटोमेटिक मिल्क संग्रहण यूनिट की स्थापना की गयी जिससे पशुपालकों को अपने दूध का विक्रय करने के लिये शहरों की तरफ नहीं जाना पड़े एवं उनके दूध के उचित दाम गॉव स्तर पर मुहैया हो सके।

1. **बागवानी कार्यक्रम** –इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उन परिवारों का चयन किया गया जिनके पास स्वयं का पानी टॉका हो। टॉके के पास 1 बीघा जमीन में 50 फलदार पौधों (बेर, गुन्दा व नीम्बू) को दिया गया है इन पौधो से उत्पादन लिया जा रहा है।
2. **वार्षिक प्रगति रिपोर्ट**

क्र. सं.	गतिविधि	दिसम्बर 2016 तक समूह 260	लक्ष्य	प्राप्ति	शेष	माह दिसम्बर 2017 तक कुल समूह 300
1	स्वयं सहायता समूह गठन	260	40	40	0	300
2	स्वयं सहायता समूहों का रजिस्ट्रेशन	260	40	40	0	300
3	समूहों का बैंक में खाता	260	40	40	0	300
4	समहों को जारी रिवोल्विंग फण्ड	260	40	40	0	300
5	ग्राम संगठनों का गठन	26	4	4	0	30
6	आजीविका प्रपत्र तैयार किये	166	60	16	44	182
7	आजीविका प्रपत्र स्वीकृत करवाये	166	60	16	44	182
8	समूहो का बैंक लिंकेज	230	60	52	8	290
9	समूहों को सीड केपिटल की प्रथम राशि (रू. 60000)	170 समूह	30	12	16	182 समूह
10	समूहों द्वारा प्राप्त सीड केपिटल की द्वितीय राशि (रू. 40000)	85 समूह	65	61	4	146 समूह
11	स्वयं सहायता समूहो का आपसी लेन–देन	260	300	300	3.89करोड़	
12	बकरी आधारित आजीविका कार्यक्रम	3 कलस्टर	3(कलस्टर) चारणाई, ननेउ, रोहिणा, बूंगड़ी व लूणा, चिमाणा	3 कलस्टर में बकरी आधारित आजीवका कार्यक्रम स्वीकृत 1050 परिवारो के साथ आजीविका संवर्द्धन कार्य	0	3 कलस्टर
13	डेयरी आजीविका संवर्द्धन कार्यक्रम	1 कलस्टर	1 कलस्टर जाम्बा	200 परिवारों के साथ डेयरी आधारित आजीविका संवर्द्धन कार्य	0	1
14	बागवानी	2 कलस्टर	2(कलस्टर) जाम्बा– ननैउ, नोखड़ा भाटियान	2 बागवानी कलस्टर के 93 परिवारो के साथ फलदार पौधो से आयवर्द्धन	0	2
	कृषि आधारित आजीविका कार्यक्रम	4 कलस्टर	जाम्बा– लूणा– चिमाणा– घंटियाली	1200 किसानों को कृषि विभाग के साथ जोड़कर उन्नत नस्ल के बीज वितरित कर पारम्परिक व वैज्ञानिक तरीके से खेती करने का अभ्यास	0	4
15	मिनी बागवानी	163 परिवारों के साथ प्रायोगिक तौर पर	जाम्बा, मोटाई, घंटियाली, नोखड़ा भाटियान	बगीचे में टॉके के पास 20 फलदार पौधों को टॉके से गिरने वाले पानी को पौधो में जोड़कर बागवानी कार्य	163 परिवार	0
16	कलस्टर लेवल फेडरेशन	300 समूहों पर एक फेडरेशन का गठन	सम्पूर्ण परियोजना क्षैत्र की 14 ग्राम पंचायते	फेडरेशन द्वारा ग्राम संगठन की देखरेख तथा ग्राम संगठन स्वयं सहायता समूहों की देखरेख	01	0

युवा आजीविका कौशल कार्यक्रम–हमारे देश में शिक्षित युवा वर्ग में बेरोजगारी एक गहन समस्या है। युवा शक्ति को उचित प्रेरणा, सही मार्गदर्शन प्रदान कर उनमें तकनीकी योग्यताओं का विकास किया जाये इसी उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए स्वयं सहायता समूहों की सदस्याओं के घर परिवार में उनके लड़के–लड़कियों को यह प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उनका आर्थिक विकास में योगदान हो सकें।

आजीविका कौशल विकास गतिविधियों के अन्तर्गत प्रशिक्षणों की प्रगति विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	प्रशिक्षण का नाम	संभागियों की संख्या			विशेष विवरण
		महिला	पुरूष	कुल	
1	बकरी पालन	140	12	152	पशुपालन विभाग के सहयोग से
2	डेयरी प्रबन्धन प्रशिक्षण	120	6	126	आरसेटी के सहयोग से
3	सिलाई प्रशिक्षण	30	0	30	आरसेटी के सहयोग से
4	बागवानी / कृषि प्रशिक्षण	50	11	61	केवीके फलोदी के सहयोग से

इन प्रशिक्षणों से निम्न व्यापक प्रभाव आये–

1. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने लगी।
2. शहरी क्षेत्र में पलायन में कमी आयी।
3. ग्रामीण अंचल से पूंजी निर्माण में वृद्धि होने लगी।
4. क्षेत्र की विकसित क्रियाओं में रहन सहन के स्तर में सुधार होने लगा।
5. स्वरोजगार के संबंध में लोगों की आवश्यकता में विकास होने लगा।

सयुक्त समीक्षा दल द्वारा क्षेत्र अवलोकन

कार्यो की समीक्षा करते हुए दल के साथी

कृषि कार्यो का अवलोकन करते वैज्ञानिक

सीड किट वितरण करते हुए सरपंच महोदय

<u>वर्ष 2009 से संचालित यह परियोजना माह दिसम्बर 2017 में पूर्ण हो चुकी है।</u>

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम

1. उरमूल स्कूल

नामांकन व भौतिक विवरण

कक्षा	बालक	बालिका	योग
LKG	0	0	0
UKG	0	0	0
1	4	2	6
2	1	4	5
3	0	0	0
4	3	3	6
5	4	2	6
6	1	0	1
7	4	0	4
8	0	0	0
योग	**17**	**11**	**28**

वर्ष 2017–18 का परीक्षा परिणाम

- इस वर्ष भी बच्चों का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है।

ग्रेडिंग विवरणः

ग्रेड ए– 28 ग्रेड बी– 04 ग्रेड सी– 00 ग्रेड डी– 00

2- **8वीं व 10वीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ देने वाली बालिकाओं के लिये ओपन स्कूलिंग के रूप में नवाचारः** प्लान इण्डिया के सहयोग से 8वीं व 10वीं के बाद स्कूल छोड़ने वाली बालिकाओं को आगे की पढाई के लिये अवसर प्रदान करने के उद्येश्य से प्रायोगिक तौर पर थूमली गांव में ओपन स्कूलिंग प्रारम्भ किया गया है। इसके लिये पहले गांव की सरकारी स्कूल की शाला प्रबध्न समिति के सदस्यों, अभिभावकों, स्थानीय किशोरी प्रेरणा मंचों की बालिकाओं व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई और बीच मे स्कूल छोड़ने की समस्या के समाधान के लिये चर्चा की गई। परिणामस्वरूप नवाचार के तौर पर गांव में यह ओपन स्कूलिंग कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया हैं। वर्तमान में इस केन्द्र पर 15 बालिकाओं का चयन किया गया है जो 10वीं व 12वीं की पढाई करेंगी। इसके अलावा इस केन्द्र से गांव की अन्य बालिकाओं को जोड़ने के प्रयास भी किये जा रहे हैं।

3. आशा किरण परियोजनाः

क्र.सं.	गांव का नाम	बच्चों का नामांकन	भौतिक उपस्थिति	मुख्य धारा में जोड़ा गया
1	सांखला बस्ती	24	24	24
2	गड़ियाला	52	48	48
3	बज्जू	49	40	40
4	चारणवाला	09	09	09
5	खारिया पतावतान	18	18	07
6	झझू	81	75	09
7	भेलू	40	40	40
8	बाला की गोल	39	31	31
9	तन्नेवाली (5 बीएलएम)	50	50	50
10	राणासर	39	35	29
11	गिराजसर	33	30	00
	योग	**434**	**400**	**287**

- **परियोजना के तहत् कार्यः** इस परियोजना के तहत् कोलायत क्षेत्र के गांवों में ऐसे 7 से 14 साल के बच्चों का चयन किया गया जो कभी स्कूल नहीं गये या अनियमित थे। इन बच्चों के लिये गांव के ही 10वीं कक्षा उत्तीर्ण व थोड़ा बहुत अध्यापन कार्य का अनुभव रखने वाले युवाओं का चयन किया गया। गांव के सार्वजनिक सामुदायिक भवन या आंगनबाड़ी भवन में आशा किरण विद्यालय खोला गया। विद्यालय में आवश्यक सामग्री जैसे दरी पट्टी, चॉक, डस्टर, पुस्तकें, कॉपी व स्लेट्स समुदाय स्तर पर उपलब्ध करवाई गई।
- **इस तिमाही में अर्जित लक्ष्यों का विवरण**: विद्यालय प्रारम्भ करने के समय चयन किये गये बच्चों का शैक्षिक स्तर बहुत ही कमजोर था। इन बच्चों के शैक्षिक स्तर को सुधारने के लिये शिक्षकों का आमुखीकरण भी किया गया।
- **सुधार हेतु किये गये प्रयासः** भविष्य में इन केन्द्रों के लिये सभी जरूरी प्रयास किये गये ताकि बच्चों को समय पर उचित लाभ दिलाया जा सके।
- **वर्तमान और भविष्य में आने वाली संभावित कठिनाईः** समय बहुत ही कम होने के कारण स्कूलों में प्रवेश कैसे दिलाया जाये ताकि बच्चों को षिक्षा का लाभ मिल सके। उनकी पढाई बीच में न छूटे। बच्चा जिस स्कूल में जाना चाहता है उसकी रूचि के अनुसार सरकारी या निजी स्कूल में प्रवेश दिलाया जा सकता है।
- **केस स्टडी और छात्र के सेन्टर संचालन से पूर्व और बाद की स्थिति में बदलावः**
  - **भेलू (सोलंकियों की ढाणी)** गांव में 40 छात्र छात्रायें बहुत ही गरीब परिवारों से हैं। इस क्षेत्र में 4 किलोमीटर के दायरे में कोई भी सरकारी स्कूल नहीं हैं। इनकी ढाणी में आशा किरण विद्यालय खुलने से गांव वाले व बच्चे बहुत खुश हैं। बच्चों के बैठने की व्यवस्था समुदाय ने अपने स्तर पर की है।
  - **नायकों का बास, झझूः** सभी 81 बच्चे नायकों के परिवारों से हैं। इनमें ज्यादातर बालिकायें हैं। सभी बच्चे स्कूल में प्रवेश लेना चाहते हैं। यहां भी सभी आवश्यक व्यवस्थायें समुदाय स्तर पर ही की गई है।
  - **तनेवाली (5 बीएलएम)ः** इस आशा किरण विद्यालय में 50 बच्चे नियमित रूप से पढाई कर रहे हैं। यह क्षेत्र, छिला कश्मीर गांव से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। परिवार व बच्चे इस व्यवस्था से बहुत खुश हैं।
- **शाला प्रबन्धन समितियों व शाला विकास प्रबन्धन समितियों के साथ बाला स्कूलों में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु मासिक बैठकेंः** स्कूलों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण कार्य की सुनिश्चितता एवं शाला प्रबन्धन समितियों व शाला विकास प्रबन्धन समितियों के सदस्यों की शाला विकास में भागीदारी के उद्येश्य से कुल 10 स्कूलों में मासिक बैठकें आयोजित की गई।
- **बाला की अवधारणा के साथ विकास मॉडल स्कूलों की शुरूआतः** परियोजना क्षेत्र के 5 स्कूलों को बाला मॉडल स्कूल की अवधारणा के साथ पेन्टिंग, स्लोगन आदि के माध्यम से सुसज्जित करवाया गया।
- **बीच में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों का पुनः नामांकनः** वर्ष के दौरान जिन बच्चों ने अपनी पढाई बीच में ही छोड़ दी थी, उनकी पहचान करके सूची बनाई गई और 11 गांवों के 287 बच्चों का पुनः नामांकन स्कूलों में करवाया गया।
- **अभिभावक अध्यापक बैठकेंः** वर्ष के दौरान अभिभावकों व अध्यापकों के साथ 5 गांवों में बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में स्कूलों मे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अध्यापकों का स्कूलों में पर्याप्त ठहराव, गांव की शत प्रतिशत बालिकाओं का स्कूलों में नामांकन करवाने व अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

आरकेसीएल

माह अप्रेल 2017 से मार्च 2018

क्र.सं.	विवरण	लड़के	लड़कियां	योग
1	आर.के.सी.एल में नये प्रवेश	5	3	8
2	मार्च, जून व दिसम्बर 2017 की परीक्षा में बैठने वाले प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	10	6	16
3	परीक्षा में पास होने वाले प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	9	6	15
4	आगामी परीक्षा में बैठने वाले प्रशिक्षणार्थी	5	3	8

1. **आर.के.सी.एल. में नये प्रवेशः** आर.के.सी.एल. में 8 लडके और लड़कियों ने प्रवेश लिया जिनको नोट पेड, वर्डपेड, एम.एस. पेन्ट, एम.एस वर्ड, एक्सल आदि का प्रेक्टिकल करवाया गया तथा कम्प्युटर फण्डामेन्टल थ्योरिकल लेसन सिखाये गये।

2. **जनवरी से दिसम्बर 2017 तक परीक्षा में बैठने वाले प्रशिक्षणार्थी**: पूर्व परीक्षा में कुल 16 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिसमे से 15 प्रशिक्षणार्थियो ने परीक्षा सफलतापुर्वक पास कर ली और शेष 1 प्रशिक्षणार्थी की दुबारा पेपर आगामी परीक्षा में होगा।

3. **आगामी परीक्षा में बैठने वाले प्रशिक्षणार्थी:** आगामी परीक्षा में कुल 9 छात्र–छात्रा बैठेंगे।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास कार्यक्रम (ईसीसीडी)

क्र.सं.	गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
1	लिंग संवेदनशीलता के प्रति अभिभावक विकास समूहों को प्रेरित करने के लिये बैठकें	71	1193
2	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मासिक सैक्टर बैठकें	108	191
3	आंगनबाड़ी केन्द्रों पर शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) वितरण	10	167
4	आंगनबाड़ी केन्द्र विजिट	65	382
5	दो दिवसीय अभिभावक विकास समूहों की कार्यशाला	5	165
6	शाला पूर्व शिक्षा विषयक दो दिवसीय आवासीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण	2	52
7	विश्व स्तनपान दिवस का आयोजन	68	893

1. **लिंग संवेदनशीलता के प्रति अभिभावक विकास समूहों को प्रेरित करने के लिये बैठकें:** बच्चों के प्रति घरों व समुदाय में होने वाले भेदभाव को दूर करने के लिये समझ बनाने हेतु अभिभ्भवक समूहों के साथ बैठकें आयोजित की गई। अभिभावकों को 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के सम्पूर्ण विकास, शालापूर्व शिक्षा, टीकाकरण, स्वास्थ्य, पोषण आदि मुद्दों के बारे मे जागरूक किया गया। जिसमें अभिभावकों को अपने बच्चों के विकास के साथ समुदाय में बच्चों के लिये सरकारी और गैर सरकारी सेवाओं के लाभ के लिये प्रेरित किया।
2. **मासिक सेक्टर बैठकें:** प्रतिमाह होने वाली सेक्टर बैठकों में आंगनबाड़ी केन्द्रों के कार्यों की समीक्षा की गई और मासिक रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। इसके अलावा बच्चों में क्षमताओं का विकास करने के लिये शाला पूर्व शिक्षण सामग्री के नियमित उपयोग के लिये प्रेरित किया गया।
3. **आंगनबाड़ी केन्द्रों पर शिक्षण अधिगम सामग्री वितरण**: 10 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के लिये खेल व शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया, जिसमें बच्चों को केन्द्र पर खेलने व पढने के लिये सामान मिला व केन्द्रों को आदर्श आंगनबा़ड़ी बनाया गया।
4. **आंगनबाड़ी केन्द्र विजिट**: उरमूल कार्यकर्ताओं द्वारा समय–समय पर आंगनबाड़ी विजिट की गई, जिसमें बच्चों की उपस्थिति, निर्धारित 6 सेवाओं का संचालन, समुदाय का सहयोग, अभिभावक बैठकों के आयोजन आदि के प्रति जागरूक किया गया।
5. **दो दिवसीय अभिभावक विकास समूहों की कार्यशाला**: अभिभावक विकास समूहों की दो दिवसीय कार्यशालाओं में मुख्य रूप से घर एवं समुदाय में बच्चों की देखभाल के लिये वातावरण निर्माण, लिंग संवदेनशीलता एवं बालक बालिकाओं को समाज व घर में प्रत्येक क्षेत्र में समान अवसर देने की सुनिश्चितता के प्रति समझ बनाने के उद्येश्य से विस्तृत चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण में अभिभावकों को बच्चों के विकास के आयामों तथा बच्चों से सम्बन्धित सरकारी सेवाओं से मिलने वाले लाभ के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा सामाजिक कुरीतियों को खत्म कर बाल विवाह रोकथाम, बालिका शिक्षा, उचित पोषण, संस्थागत प्रसव, प्रजनन स्वास्थ्य व बालिका स्वास्थ्य आदि के बारे में जागरूक किया गया।
6. **शाला पूर्व शिक्षा विषयक दो दिवसीय आवासीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण:** आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले 3 से 6 साल तक के बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शाला पूर्व शिक्षा के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमतावर्द्धन हेतु दो दिवसीय कुल 2 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न मॉड्यूल के माध्यम से संज्ञानात्मक विकास, भाषा विकास, रचनात्मक विकास, शारीरिक विकास, भावनात्मक विकास के बोर में प्रशिक्षण दिया।
7. **विश्व स्तनपान दिवस का आयोजन**: महिलाओं की मुख्यतः धात्री महिलाओं को बच्चों को स्तनपान कराने, विधि व स्तनपान का महत्व बताने के उद्येश्य से दिनांक 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान दिवस का आयोजन प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों पर किया गया।

समेकित बाल विकास परियोजना, कोलायत

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	पोषाहार	203	2399
2	वजन निगरानी	203	8533
3	ईसीई प्रशिक्षण	5	597
4	बच्चों के लिए यूनिफॉर्म व बैग	50	300
5	राजधारा मोबाइल एप में फीडिंग (जिओ टेगिंग)	202	0
6	विटामिन ए अभियान	1	28557

1. **पोषाहारः** विभाग द्वारा परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 3 से 6 साल के बच्चों के लिए स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरम पूरक पोषाहार दिया जा रहा है। वर्तमान में विकेन्द्रीकरण पोषाहार की आपूर्ति नहीं की जा रही है। जिसका प्रमुख कारण है कि गत वर्ष स्वयं सहायता समूहों द्वारा आपूर्ति करवाये गये विकेन्द्रीकरण पोषाहार का भुगतान उपनिदेशक कार्यालय द्वारा नहीं किया गया, जिससे स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने आपूर्ति करने से मना कर दिया।
2. **वजन निगरानीः** छोटे बच्चों एवं महिलाओं में कुपोषण की स्थिति जांचने के लिये वजन निगरानी करना विभाग का महत्वपूर्ण कार्य है। प्रत्येक माह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी तथा महिला पर्यवेक्षक द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र पर आने वाले लाभार्थियों का वजन लिया जाता है। जिससे उनके ग्रोथ की निगरानी रखी जा सके। कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चों की निगरानी रख उन्हें उचित उपचार भी दिया जा रहा है।
3. **ईसीई प्रशिक्षणः** विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों को आंगनबाड़ी पाठशाला के रुप में विकसित किया जा रहा है। जिसके तहत किलकारी, उमंग तथा तरंग पुस्तकों में आयु के हिसाब से जो दैनिक गतिविधियों का विवरण दिया गया है, उनके अनुसार सैक्टरवार तीन दिवसीय गैर आवासीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण आयोजित किये गये।
4. **बच्चों के लिए यूनिफॉर्म व बैगः** आंगनबाड़ी चलो अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले 50 बच्चों को स्कूल बैग तथा 300 बच्चों को यूनिफॉर्म दिये गये, जिससे आंगनबाड़ी केन्द्र पर आने वाले बच्चों में एकरुपता बनी रहे। परियोजना क्षेत्र की अलग–अलग ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से बच्चों को बैग व यूनिफॉर्म उपलब्ध करवाई गई।
5. **राजधारा मोबाइल एप में फीडिंग (जिओ टेगिंग)ः** आंगनबाडी केन्द्रों के निरीक्षण तथा जीओ टेगिंग करने के लिए विभाग द्वारा अभियान चलाया गया। जिसके तहत बाल विकास परियोजना अधिकारी व महिला सुपरवाईजरों द्वारा गांवों में जाकर उक्त लक्ष्य को निर्धारित समय पर पूर्ण किया गया।
6. **विटामिन ए अभियानः** विटामिन ए अभियान चरण 30 मई से 30 जून के बीच चलाया गया। जिसमें परियोजना के 35233 बच्चों में से 28557 बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई गई।
7. **न्यायाधिपति की विजिटः** 20 अगस्त 2017 को राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधिपति गोपाल कृष्ण व्यास कोलायत पहुंचे। तहसील प्रांगण में आयोजित मेगा लोक विधिक चेतना एवं जनकल्याणकारी शिविर के दौरान परियोजना द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। निरीक्षण के दौरान न्यायाधिपति महोदय द्वारा कार्य की प्रशंसा की गई।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	चेतना शिविर	98	1205
2	चेतना बैठकें	96	1029
3	ग्राम जल, स्वास्थ्य, एवं पोषण समिति की बैठकें	74	1310
4	स्नेह शिविरों का आयोजन व फॉलोअप	27	676
5	किशोरी बालिकाओं के साथ पीयर एज्यूकेटर प्रशिक्षक प्रशिक्षण व फॉलोअप	8	269
6	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों के साथ दो दिवसीय क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	6	155
7	माहवारी के दौरान स्वच्छता व सेनेटरी नेपकिन निर्माण का 3 दिवसीय प्रशिक्षण	8	352
8	किशोरों के साथ प्रजनन एवं लैंगिक स्वास्थ्य 3 दिवसीय प्रशिक्षण	5	317
9	टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच हेतु ए.एन.एम. को वाहन सुविधा	51	717
10	ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस	72	2008
11	पीयर एज्यूकेटर्स व किशोर किशोरी समूहों के प्रतिनिधियों के साथ राष्ट्रीय किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK) विषयक क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	2	78
12	आंगनबाड़ी कार्यक्र्ताओं व आशाओं के साथ फोलोअप बैठकें	2	68

1. **चेतना शिविरः** ग्राम स्तर पर धात्री महिलाओं के साथ एक दिवसीय चेतना शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में मुख्य रूप से मां का पहला गाढा पीला दूध एक घण्टे के अन्दर पिलाने, बच्चे के टीकाकरण, 24 घण्टे के दौरान बच्चे की अधिक देखभाल, छः माह तक केवल मां का दूध और छः माह बाद उपरी आहार आदि विषयों पर बातचीत की गई।
2. **चेतना बैठकें:** ग्राम स्तर पर गर्भवती माताओं के साथ चेतना बैठकों का आयोजन किया गया। बैठकों में प्रसव के पहले, दौरान व बाद में ध्यान रखने योग्य सावधानियों, 4 जांचें, गर्भावस्था के दौरान खतरों के लक्षणों की पहचान, संस्थागत प्रसव आदि विषयों पर बातचीत की गई।
3. **ग्राम जल, स्वास्थ्य, एवं पोषण समिति की बैठकें:** माह जनवरी 2017 से जून 2018 के दौरान के दौरान आयोजित ग्राम जल, स्वास्थ्य, एवं पोषण समिति की बैठकों में सदस्यों की भूमिका, गांव की समस्याओं का आकलन, स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव आदि विषयों पर चर्चा की गई।
4. **स्नेह शिविरों का आयोजन व फॉलोअपः** माह जनवरी 2017 से जून 2018 के दौरान 15 स्थानों पर 12 दिवसीय स्नेह शिविर का आयोजन किया गया। स्नेह शिविरों के दौरान चिन्हित 258 कुपोषित व अति कुपोषित बच्चों को विशेष देखभाल एवं पूरक पोषाहार सेवायें उपलब्ध करवाई गई। स्वास्थ्य व साफ सफाई के बारे में बच्चों के अभिभावकों को जानकारी देकर घर पर भी व्यवस्थित रूप से देखभाल करने के लिये प्रेरित किया गया। इन स्नेह शिविरों के आयोजन के बाद किये गये फोलोअप की रिपोर्ट के अनुसार शिविरों में आये सभी बच्चे अच्छी पोषण स्थिति में पाये गये। इन स्नेह शिविरों में 676 बच्चों की वजन निगरानी की गई।
5. **किशोरी बालिकाओं के साथ पीयर एज्यूकेटर प्रशिक्षक प्रशिक्षण व फॉलोअपः** पीयर एज्यूकेटर के साथ तीन दिवसीय आठ प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों के दौरान दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा किशोरी बालिकाओं को जीवन कौशल के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें बताया गया कि गांवों में संचालित अन्य बालिका समूहों में शारीरिक बदलावों व जीवन कौशल के बारे में जानकारी देनी है। साथ ही व्यक्तिगत साफ सफाई के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया।
6. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों के साथ दो दिवसीय क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षणः** आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों के साथ दो दिवसीय 5 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणार्थियों को सुरक्षित मातृत्व, नवजात शिशुकी देखभाल आदि के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। आंगनबाड़ी के माध्यम से समुदाय को जागरूक करने के बारे में प्रेरित किया गया ताकि मां व बच्चे की प्रसव के दौरान होने वाली मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।
7. **माहवारी के दौरान स्वच्छता व सेनेटरी नेपकिन निर्माण का 3 दिवसीय प्रशिक्षणः** माह जनवरी से दिसम्बर 2017 के दौरान किशोरी बालिकाओं के साथ आयोजित इन 7दिवसीय आवासीय प्रशिक्षणों में सेनेटरी नेपकिन निर्माण के बारे में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। सेनेटरी नेपकिन निर्माण के साथ साथ इसको इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में बताया गया।

8. **किशोरों के साथ प्रजनन एवं लैंगिक स्वास्थ्य 3 दिवसीय प्रशिक्षणः** किशोरों के साथ इस वर्ष कुल 5 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में जेण्डर संवेदनशीलता, प्रजनन एवं लैंगिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक बदलावों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक बदलावों के प्रति जो भ्रान्तियां मन में होती हैं उनके बारे में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारियां दी गई।
9. **टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच हेतु ए.एन.एम. को वाहन सुविधाः** परियोजना क्षेत्र के दूरदराज के 27 गांवों में गर्भवती माताओं की प्रसव जांच, स्वास्थ्य जांच, व बच्चों के टीकाकरण हेतु वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इस दौरान 445 बच्चों व गर्भवती माताओं का टीकाकरण हुआ व माताओं की स्वास्थ्य जांच की गई।
10. **ग्राम स्वास्थ्य व पोषण दिवसः** वर्ष के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित ग्राम स्वास्थ्य व पोषण दिवसों में भागीदारी हुई। इस दौरान बच्चों के नियमित टीकाकरण, उनकी स्वास्थ्य जांच, गर्भवती, धात्री माताओं व किशोरी बालिकाओं की स्वास्थ्य जांच, बच्चों के अन्नप्राशन की स्थिति व कुपोषण रोकथाम हेतु वजन निगरानी की समीक्षा व सहयोग किया गया।

राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम (आर.एस.आई.पी)

- आर्थिक पुर्नवास/आजीविका से जोडे गये व्यक्तियों का विवरण :

क्र.स.	नाम	पिता/पति का नाम	विकलांगता का प्रकार	गांव	पुरूष/ महिला	रोजगार का प्रकार एवं शुरू करने की दिनांक
1	पार्वती	रतनलाल	लोकोमोटर	गजनेर	महिला	शिलाई अप्रेल 2017
2	कालूसिंह	भंवरसिह	लोकोमोटर	बीठनोक	पुरूष	किराणा अप्रेल 2017
3	नथूराम	अनोपाराम	लोकोमोटर	गडियाला	पुरूष	किराणा मई 2017
4	पूनमराम	गोविंदराम	एचआई	बीठनोक	पुरूष	कारीगर जून 2017
5	जगदीश	रिडमलराम	लोकोमोटर	बज्जू	पुरूष	किराणा जून 2017
6	ओमप्रकाश	फुसाराम	लोकोमोटर	लम्माणा भा.	पुरूष	किराणा जून 2017
7	भंवरलाल	मुलाराम	लोकोमोटर	कोलासर	पुरूष	आटा चक्की जुलाई 2017
8	महेशकुमार	गिरधरलाल	लोकोमोटर	कोलायत	पुरूष	कचोरी समोसाा अग. 2017
9	मुन्नीराम	गोपीराम	लोकोमोटर	सियाणा	पुरूष	लाईट फिटिंग सित. 2017
10	नेमाराम	नारायणराम	लोकोमोटर	भोलासर	पुरूष	टेन्ट हाउस सितम्बर 2017
11	पेमाराम	पाबूराम	लोकोमोटर	हदा	पुरूष	किराणा नवम्बर 2017
12	ममता	श्रवणराम	एचआई	नैणिया	महिला	सिलाई दिसम्बर 2017
13	आइदानराम	गोविंदराम	लोकोमोटर	भाणेकागांव	पुरूष	किराणा दिसम्बर 2017

- **ऑगनबाडी कार्यकर्ता,आशा एवं ए.एन.एम की मासिक बैठको में भागीदारी :**

क्रम संख्या	विकास खण्ड का नाम	कुल बैठकें	उपस्थित संभागी		
			पुरूष	महिला	योग
1.	कोलायत	24	30	360	390
	कुल				

- **विकलांग मंच की ब्लॉक स्तरीय बैठकों का विवरण :**

क्र.स.	विकास खण्ड का नाम	बैठक स्थान एवं दिनांक	सम्भागियों की संख्या		
			पुरूष	महिला	योग
1	कोलायत	महिला व बाल विकास विभाग अप्रेल 17—मार्च 2017	105	36	141

- **विकलांग मंच की जिला स्तरीय बैठकों का विवरण :**

क्र.स.	विकास खण्ड	बैठक स्थान एवं दिनांक	सम्भागियों की संख्या		
			पुरूष	महिला	योग
1	कोलायत	उरमूल ऑफिस 20.06.2017	2	1	3
2		उरमूल ऑफिस 20.07.2017	2	1	3
3		उरमूल ऑफिस 20.08.2017	2	1	3
4		उरमूल ऑफिस 26.08.2017	1	0	1
कुल			**7**	**3**	**10**

- **विश्व विकलांग दिवस का आयोजन का विवरण :**

क.स.	ब्लॉक	दिनॉक	उपस्थिति		
			पुरुष	महिला	योग
1	कोलायत	03.12.2017	15	2	17

- **परियोजना के तहत आयोजित कार्यकर्ता प्रशिक्षणों का विवरण :**

क.स.	प्रशिक्षण स्थल व दिनांक	प्रशिक्षण का मुख्य विषय	कार्यकर्ता सम्भागी संख्या		
			पुरूष	महिला	योग
1	जयपुर 21–22 अग.2017	एडवोकेसी	2	.	2
2	जयपुर 26–27 सित.2017	राज्य स्तर डीपीओ नियम	2	.	2
3	बज्जू 19–21 दिस. 2017	बिजनस प्लान	2	.	2

- **परियोजना के तहत स्वयं सहायता समूहों के लिए आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण :**

क.स.	प्रशिक्षण स्थान व दिनांक	प्रशिक्षण का मुख्य विषय	सम्भागी संख्या		
1			पुरूष	महिला	योग
2	बिश्नोइ धर्मशाला 12.09.2017	लीडर शिप	3	1	4
3	बिश्नोइ धर्मशाला 14.11.2017	लीडर शिप	4	.	4
कुल			**7**	**1**	**8**

- **परियोजना के तहत जिला विकलांग अधिकार मंच के लिए आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण :**

क.स.	प्रशिक्षण स्थान व दिनांक	प्रशिक्षण का मुख्य विषय	सम्भागी संख्या		
1			पुरूष	महिला	योग
2	ज्योति होटल बीकानेर 03.05.2017	नेतृत्व क्षमतावर्धन व डीपीओ के अधिकार	3	1	4
3	ज्योति होटल बीकानेर 03.06.2017	नेतृत्व क्षमतावर्धन व डीपीओ के अधिकार	2	.	2
4	ज्योति होटल बीकानेर 04–05 नव. 2017	नेतृत्व क्षमतावर्धन व डीपीओ के अधिकार	3	1	4
कुल			**8**	**2**	**10**

- **परियोजना के तहत विकलांगों के कौशल विकास हेतु आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण : :**

क.स.	प्रशिक्षण स्थान व दिनांक	प्रशिक्षण का मुख्य विषय	सम्भागी संख्या		
1			पुरूष	महिला	योग
2	ड्धुगरगढ़ में 17 से 25.06.2017	वाहन रिपेयर	1	0	1
3	ड्धुगरगढ़ में 24 से 26.06.2017	पशूपालन	6	3	9
4	ड्धुगरगढ़ में 12 से 14.06.2017	मणिहारी	3	1	4
5	बीकानेर 15 से 16.11.2017	कृषि व पशूपालन	5	0	5
कुल			**18**	**4**	**22**

- **जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजन :**

क.स.	विकास खण्ड का नाम	बैठक संख्या	संभागी		
			पुरूष	महिला	कुल
1	कोलायत	12	196	30	226

- **ग्राम पंचायत के साथ बैठक में भागीदारी :**

क.स.	विकास खण्ड का नाम	बैठक संख्या	संभागी		
			पुरूष	महिला	कुल
1	कोलायत	5	90	8	98

- **नये गठित स्वंय सहायता समूहों का विवरण (मार्च 2017–अप्रेल 2018) :**

क.स.	समूह का नाम	गांव का नाम	कुल सदस्य संख्या			समूह में विकलांग सदस्य संख्या		
			पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
1	विकास	खारी चारणान	5	0	5	5	0	5
2	प्रगति	खारी चारणान	5	0	5	5	0	5
3	विश्वकर्मा	गजनेर	5	0	5	5	0	5
4	आशापुरी	गड़ियाला	5	0	5	5	0	5
5	जयभीम	लोहिया	3	2	5	3	2	5
6	बाबारामदेव	झझू	4	1	5	4	1	5
			27	**3**	**30**	**27**	**3**	**30**

- **सरकारी सेवाओं से जोडे गये लाभार्थियों का विवरण : (अप्रेल 2017 से मार्च 2018)**

क.स.	विवरण	लाभान्वितों की संख्या		
		पुरूष	महिला	कुल
1.	मेडिकल प्रमाण पत्र	39	11	50
2.	रेल पास	1	0	1
3.	बस पास	32	4	36
4.	पेन्शन	39	16	55
5.	मुख्यमंत्री स्व–रोजगार योजना से लोन	5	.	5
6.	अनुग्रह अनुदान	0	0	0
7.	सहायक उपकरण–ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, वैशाखी, हियरिंग ऐड, कृत्रिम हाथ पैर	84	22	106
8.	पालनहार योजना से लाभान्वित	11	4	15
9.	आस्था कार्ड प्राप्त किया	0	0	0
10.	मनरेगा से जोडा गया	17	3	20
11.	स्वर्ण जयन्ति स्वरोजगार से लोन	00	0	0
12.	इन्दिरा आवास / प्रधानमंत्री आवास से आवास प्राप्त किया	4	.	4
13.	विकलाग विवाह सहायता	1	1	2
14.	कौशल विकास एवं व्यवसायिक **प्रशिक्षण प्राप्त करने** वाले लोगो की संख्या	18	4	22
15.	आर्थिक पुर्नवास–जिन लोगो ने अपनी आजीविका के लिए कार्य शुरू किया	20	2	22
16.	नये गठित स्वयं सहायता समूहों की संख्या 6	27	3	30
17.	नये गठित स्वयं सहायता समूह में विकलांग सदस्य संख्या6	27	3	30
18.	नये गठित स्वयं सहायता समूह के बैंक खाता की संख्या 4	0	0	0
17.	स्वंय सहायता समूह के सदस्यों के व्यक्तिगत खाता संख्या	27	3	30
18.	कितने समूहों ने बैंक ऋण के लिए आवेदन किया	0	0	0
19.	कितने समूहों को बैंक से ऋण मिला	0	0	0
20.	जिला विकलांग अधिकार मंच में नये जोडे गये सदस्यों की संख्या	92	25	117

- **जिला विकलांग अधिकार मंच में अप्रेल 2017 से मार्च 2018 में जोडे गये सदस्यों का विवरण :**

क.स.	ब्लॉ का नाम	डी.पी.ओ. में नये जोडे गये सदस्यों की संख्या		
		पुरूष	महिला	योग
1.	कोलायत	92	25	117

- **मंच के द्वारा समस्याओं को लेकर ब्लॉक स्तर पर दिये गये ज्ञापनों का विवरण:**

क.स.	ब्लांक का नाम	ज्ञापन में दी गई समस्या का विवरण	ज्ञापन की समस्या समाधन की वर्तमान स्थिति
1	कोलायत	पालनहार, पेन्शन, बैक ऋण	अच्छी है समय पर नहीं

- **मंच के द्वारा समस्याओं को लेकर जिला स्तर पर दिये गये ज्ञापनों का विवरण :**

क.स.	ब्लांक का नाम	ज्ञापन में दी गई समस्या का विवरण	ज्ञापन की समस्या समाधान की वर्तमान स्थिति
1	कोलायत	पालनहार, पेन्शन, बैक ऋण	अच्छी है समय पर नहीं

बाल सुरक्षा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1.	ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समियों के साथ पंचायत प्रतिनिधियों का औपचारिक जुड़ाव सुनिश्चित करने, समिति सदस्यों के बाल सुरक्षा, दायित्व व भूमिका के बारे में आमुखीकरण बैठकें	67	1405
2.	नेतृत्व क्षमता विकास हेतु बाल क्लबों का प्रशिक्षण	8	283
3.	ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों का एक दिवसीय आमुखीकरण प्रशिक्षण	13	235
4.	पंचायतीराज व आईसीपीएस से लिंकेज के लिये ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों का क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	11	186
5	ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति बैठकें	95	1926
6	ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समिति बैठकें	21	423
7	ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के साथ ब्लॉक स्तरीय बैठक	1	81
8	बाल विवाह रोकथाम अभियान	10	3146
9	किशोरों के साथ 5 दिवसीय नाट्य कार्यशाला	2	39
10	चाइल्ड क्लब फैडरेशन लीडर्स के साथ 3 दिवसीय प्रशिक्षण	1	37
11	यूथ एडवाइजरी पैनल के साथ 2 दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला	1	61
12	किशोर किशोरी मंचों की मासिक बैठकें	164	1692
13	बाल अधिकारों व चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 विषयक तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण	1	50
14	5 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण	1	25
15	अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन	4	263
16	बाल विवाह रोकथाम हेतु महत्वपूर्ण साझीदारों (Key stakeholders) के साथ बैठकें	2	83
17	किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ गुड टच–बैड टच विषयक 2 दिवसीय प्रशिक्षण	4	227
18	किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ गुड टच–बैड टच विषयक बैठकें	8	359
19	चाईल्ड क्लबों के साथ 3 दिवसीय प्रशिक्षण	1	37
20	संस्था स्टाफ के साथ बाल संरक्षण व सहभागिता विषयक क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	1	39
21	जिला, ब्लॉक व ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति पदाधिकारियों के साथ कार्यशाला	1	94
22	राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम	9	845
23	फैडरेशन चुनाव	2	98

1. **ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों का क्षमतावर्द्धन एक दिवसीय प्रशिक्षण**ः इस वर्ष गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के कुल 67 प्रशिक्षण हुए जिसमें 1405 लोगों ने भाग लिया। जिसमें बाल विवाह रोकथाम, बाल मजदूरी रोकथाम, कन्याभ्रूण हत्या रोकथाम आदि के बारे में बातचीत हुई।
2. **नेतृत्व क्षमता विकास हेतु बाल क्लबों का प्रशिक्षण**ः कुल 8 प्रशिक्षण हुए जिसमें 283 किशोर किशोरियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों में बच्चों की भूमिका के बारे में बातचीत हुई। पोक्सो, जेजेएक्ट के बारे में बताया गया। 1098 से बच्चों की मदद कैसे की जा सकती है यह बताया गया।
3. **ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों का एक दिवसीय आमुखीकरण प्रशिक्षणः** कुल 13 प्रशिक्षण इस वर्ष के दौरान आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षणों में संभागियों ने बाल सुरक्षा के बारे में स्वयं की जानकारी को प्रस्तुत किया, जिसमें उनके गांव में बच्चों की सुरक्षा को लेकर किस किस विभाग द्वारा क्या क्या काम हो रहा है, किन किन विभागों की किन किन गतिविधियों से बच्चों को उनके अधिकार मिल रहे हैं। इसके बाद जे.जे. एक्ट व पोक्सो के बारे में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।
4. **पंचायतीराज व आईसीपीएस से लिंकेज के लिये ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों का क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षणः** कुल 11 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 186 लाभार्थी थे। इन प्रशिक्षणों में बाल सुरक्षा समितियों के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर काम करने वाले विभिन्न विभागों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग आदि कैसे बच्चों की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभा सकते है तथा वे वर्तमान में अपने अपने कार्य में बाल सुरक्षा को कहां कहां देखते है। इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई।

5. **ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति बैठकें**: ग्राम स्तरीय इन बैठकों में समिति की नियमित बैठकों के आयोजन की सुनिश्चितता, बाल सुरक्षा के मुद्दों व बाल अधिकारों के बारे में चर्चा की गई कि नियमित बैठकें होने से ही हम गांवों में बाल सुरक्षा व बाल अधिकारों के बारे में सुचारू कार्य कर पायेंगे।
6. **ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समिति बैठकें**: इन बैठकों के साथ साथ जो समितियां सक्रिय नहीं थी, उनको पुनर्गठित किया गया। समिति की प्रत्येक माह बैठक हो तथा उसके आधार पर समिति के कार्यों के प्रचार प्रसार के बारे में चर्चा की गई। समिति के सदस्यों की सूची पंचायत भवन में चस्पा की गई।

7. **ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के साथ ब्लॉक स्तरीय बैठक**: बाल विवाह रोकथाम के लिए ब्लॉक स्तरीय बाल सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बीकानेर बाल कल्याण समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में ब्लॉक के अधिकारी, जनप्रतिनिधियों के अलावा ग्राम सेवक, महिला समूह की महिलाएं भी उपस्थित थी।

8. **बाल विवाह रोकथाम अभियान**: इस अभियान के तहत् गांवों में बाल विवाह रोकथाम यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में नाटक, कठपुतली, बाल विवाह पर लोक धुनों पर गीत व प्रचार प्रसार सामग्री से लोगों को जागरूक करने का काम किया गया। कार्यक्रम में बाल विवाह रोकथाम के लिये बैनर, पेम्पलेट, गुब्बारा के बाल विवाह विशेषांक, ताल्लुका विधिक सेवा समिति द्वारा दी गई बाल विवाह रोकथाम प्रचार प्रसार सामग्री व चाइल्ड लाइन के पेम्पलेट वितरण किये गये। गावणियार टीम द्वारा कठपुतली, लोक गीतों व नाटकों के माध्यम से बाल विवाह रोकने, बालिका शिक्षा, बाल विवाह के कानूनी प्रावधान आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। अभियान के दौरान लगभग 6000 लोगों को जागरूक किया गया

9. **5 दिवसीय नाट्य कार्यशाला**: इस कार्यशाला में डण्डकला गांव के बच्चों को बीकानेर के प्रसिद्ध रंगकर्मी श्री अशोक जोशी ने अभियान हेतु नाट्य विधा सिखाई, जिससे भविष्य में ये बच्चे अपने गांव के मुद्दों पर अभिनय तैयार करके समाज को जागरूक कर सकेंगे। कार्यशाला के दौरान बच्चों के साथ दो तीन विषयों पर नाटक तैयार किये गये।

10. **चाइल्ड क्लब फैडरेशन लीडर्स के साथ 3 दिवसीय प्रशिक्षण:** एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिनमें 26 गांवों के लीडर्स ने भाग लिया। दक्ष प्रशिक्षक ने मंच के लाभ व लीडर्स की भूमिका, बाल अधिकार एवं बाल सुरक्षा तथा बच्चों को संरक्षण देने वाले कानूनों के बारे में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।
11. **यूथ एडवाइजरी पैनल के साथ 2 दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला:** प्लान इण्डिया द्वारा यूथ एडवाईजरी पैनल के लिये युवा समूहों की 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, जयपुर में किया गया, जिसमें कुल 61 युवाओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला में समाज के समेकित विकास में युवा वर्ग की भूमिका, व्यावसायिक कौशल हेतु सरकार द्वारा संचालित विभिन्न संस्थानों से युवाओं को जोड़कर स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना एवं देश में युवाओं की स्थिति के बारे में संवाद हुए। इसके अलावा स्थानीय मुद्दों के लिये क्या क्या कार्य किये जा सकते हैं, उन पर विस्तृत चर्चा हुई।
12. **किशोर किशोरी मंचों की मासिक बैठकें:** इन बैठकों में समूहों को मजबूत बनाने, समूहों का पुनर्गठन, बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा व स्वास्थ्य के बारे में चर्चा हुई। इन बैठकों के साथ साथ जो समितियां सक्रिय नहीं थी, उनको पुनर्गठित किया गया। निर्णय लिया गया कि समिति की प्रत्येक माह बैठक हो तथा उसके आधार पर समिति के कार्यों के प्रचार प्रसार के बारे में चर्चा की गई।
13. **किशोरियों के साथ 5 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण**: किशोरी प्रेरणा मचों की बालिकाओं के साथ परियोजना क्षेत्र के 5 गांवों में आत्म्रक्षा प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में बीकानेर की दक्ष प्रशिक्षिका ने विभिन्न तरीकों से किस प्रकार अपनी रक्षा की जा सकती है, के बारे में गुर बताये।
14. **अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन**: 4 स्थानों पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 263 बालिकाओं को इस दिवस के आयोजन के उद्येश्यों के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों के अधिकारों, चाइल्ड हेल्पलाईन 1098, पोक्सो, 108 व 104 एम्बूलेन्स सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।

चाइल्ड हेल्पलाईन 1098– इस वर्ष के दौरान चाइल्ड लाईन के तहत 42 गांवों में समुदाय के सभी वर्ग के लोगों के साथ सत्र लिये गये जिसमें 22 गांव प्लान कार्यक्षेत्र के थे तथा 20 गांव नोन प्लान क्षेत्र से थे। इन गांवों में बच्चों को 1098 पर कॉल कराने का डेमो भी किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 3862 लोगों को 1098 के बारे में जानकारी मिली।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	स्कूल सत्र	66	2640
2	सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें	12	292
3	युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्र	25	550
4	ग्राम पंचायतों बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्र	18	225
5	स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों का प्रशिक्षण	3	75
6	किशोरी बालिकाओं के साथ सत्र	60	650
7	ब्लॉक स्तरीय समन्वयन बैठक	1	55
8	गांवों में चाईल्ड हैल्पलाईन 1098 का प्रचार प्रसार	21	615

1. **स्कूल सत्रः** चाइल्ड लाईन के बारे में स्कूली छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से कुल 66 सत्र लिये गये। सत्रों में बाल अधिकारों व शिक्षा की गुणवत्ता पर भी बात की गई।
2. **सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें:** चाइल्ड लाईन के बारे में समुदाय को जागरूक करने के उद्देश्य से 12 सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें की गई। बैठकों में इसके अलावा बाल विवाह व बाल मजदूरी विषयों पर भी चर्चा की गई व इनके लिये बने हुए कानूनों के बारे में जानकारी दी गई।
3. **युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्रः** युवाओं के साथ आयोजित सत्र में जेजे एक्ट एवं पोक्सो कानून, चाइल्ड लाईन 1098 के बारे में जानकारी दी गई।
4. **ग्राम पंचायतों की बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्र**ः पंचायत प्रतिनिधियों को चाइल्ड लाईन 1098 के प्रति जागरूक करने के लिये ग्राम पंचायतों के साथ बैठकें की गई।
5. **स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों का प्रशिक्षण**ः पूर्व में गठित कुल 3 चाइल्ड राईट क्लबों के साथ 5 व 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षणों में संभागियों को चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा बाल सुरक्षा व घर, स्कूल व गांव में होने वाले किसी भी प्रकार के बाल शोषण की रोकथाम में चाइल्ड राईट क्लबों की भूमिका के बारे में बताया गया।
6. **किशोरी बालिकाओं के साथ सत्रः** सबसेन्टर स्तर पर किशोरी बालिकाओं के साथ चाइल्ड लाईन 1098 को लेकर सत्र आयोजित किये गये। इस दौरान 1098 पर डेमो कॉल भी करके बताई गई।
7. **डेमो कॉलः** सामुदायिक संगठनों की विभिन्न बैठकों व प्रशिक्षणों में 1098 की डेमो कॉल करवाकर संभागियों को 1098 की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया गया।
8. **ब्लॉक स्तरीय समन्वयन बैठक**ः दिनांक 27 मार्च 2017 को सरकार, गैर सरकारी संगठन, मीडिया व समुदाय के साथ ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्येश्य बाल सुरक्षा के लिये किस प्रकार सरकार, गैर सरकारी संगठन, मीडिया व समुदाय मिलकर कार्य करे। चाइल्ड हेल्पलाईन के बारे में बताया गया कि जो बच्चे किसी भी संकट में होते हैं तो चाइल्ड लाईन उन बच्चों की मदद करती है। सभी को बताया गया कि समय पर पता चलते ही इसकी सूचना दें ताकि बच्चे को समय पर मदद मिल सके।
   वक्ताओं ने बताया कि बाल शोषण का मुख्य कारण हमारा समाज ही है क्योंकि समाज की कुरीतियों का खामियाजा खास तौर पर बेटियों को भुगतना पड़ता है। छोटी उम्र में शादी कर देना, पढने के लिये स्कूल नहीं भेजना, खेलने कूदने के पर्याप्त अवसर नहीं देना आदि। बाल कल्याण समिति के अधिकारियों ने ज्यादा से ज्यादा बाल व किशोरी समूहों का गठन करके बालिकाओं को अधिक ताकतवर बनाने पर जोर दिया।

9. **गांवों में चाईल्ड हैल्पलाईन 1098 का प्रचार प्रसार**ः गांवों के बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने के उद्येश्य से ग्रामीणों के साथ चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। ग्रामीणों के सामने डेमो कॉल भी करवाये गये।

चाइल्ड लाईन पर प्राप्त केस का विवरणः

क्र.सं.	केस का प्रकार		संख्या
1	चिकित्सा सहायता हेतु	बच्चों के मेडीकल प्रमाण–पत्र बनाने में सहयोग किया	23
2	शोषण से मुक्ति हेतु	बाल विवाह, बाल शोषण व बाल मजदूरी	25
3	स्पोन्सरशिप हेतु	बच्चों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, पालनहार योजना, विकलांगता पेन्शन	64
4	भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन	स्कूल से सम्बन्धित केस	29
5	गुमशुदा बच्चे	बच्चों को उनके माता–पिता से मिलाना	6
	योग		**147**

जल, स्वच्छता और साफ सफाई कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
1	बाल क्लब के बच्चों के साथ बैठकें	248	3578
2	विद्यालय प्रबधन समिति के साथ सदस्यों के साथ प्रशिक्षण	8	235
3	पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक	77	222
4	युवाओं के साथ वाश को लेकर दो दिवसीय कलस्टर स्तरीय प्रशिक्षण	21	267
5	शौचालय मरम्मत कार्य	34	8192
6	पानी टंकी मरम्मत कार्य	25	5759
7	जल संरक्षण व स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान	1	4200
8	इन्सिनेटर मशीन लगवाई	1	186
9	आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोर्टेबल शौचालय	2	80
10	स्कूलों में विश्व हाथ धुलाई दिवस का आयोजन	13	982
11	विश्व जल दिवस का आयोजन	9	465

1. **बाल क्लब के बच्चों के साथ बैठकें:** बाल क्लब के बच्चों के साथ जल व स्वच्छता को लेकर बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों का मूख्य उददेश्य यह था कि इन बाल क्लबों के माध्यम से स्कूल की जल व स्वच्छता व्यवस्थाओं और हाइजिन को लेकर समझ बने और बच्चे इसे समुदाय स्तर पर लेकर जाये।

2. **विद्यालय प्रबन्धन समिति के साथ सदस्यों के साथ प्रशिक्षणः** विद्यालय प्रबधन समिति के सदस्यों के साथ जल व स्वच्छता से सम्बधित प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिनमें स्कूलों की जल संरक्षण व स्वच्छता संबंधित व्यवस्थायें अच्छी हों तथा उनकी भागीदारी स्कूल में हो ताकि बच्चों को सुरक्षित पर्यावरण व वातावरण मिले और शाला प्रबन्धन समितियों में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित हों।

3. **पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठकः** पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठकों के दौरान जल संरक्षण व स्वच्छता को लेकर बातचीत की गई ताकि पंचायत प्रतिनिधि खुले में शौच को रोकने के लिय योजना बनाये तथा ज्यादा से ज्यादा लोगो को घर में ही शौचालय के उपयोग के लिए प्रेरित करें।

4. **युवाओं के साथ दो दिवसीय कलस्टर स्तरीय प्रशिक्षणः** युवाओं के साथ साफ व सुरक्षित पानी, गांव की स्वच्छता तथा सरकार की योजनाओं, स्वच्छता व पानी से संबंधित मुददों को लेकर प्रशिक्षण आयोजित किये गये ताकि गांव की स्वच्छता व साफ सफाई तथा जल संरक्षण मुददों को ग्राम पंचायत तथा ब्लॉक और जिला स्तर पर रख सके।

5. **स्कूलों में शौचालय मरम्मत कार्यः** स्कूलों में शौचालय मरम्मत का कार्य इस वर्ष करवाया गया। प्रत्येक शौचालय मरम्मत में उरमूल प्लान बज्जू द्वारा 5000 रूपये का सहयोग किया गया तथा शेष राशि विद्यायल प्रबंधन समिति द्वारा वहन की गई। इस गतिविधि का उददेश्य यह था कि स्कूल की व्यवस्था अच्छी हो और छात्रायें अपने आपको सुरक्षित महसूस करे और वे अपनी पढाई बीच में ना छोड़ें।

6. **स्कूलों में पानी टंकी मरम्मत कार्यः** स्कूलों में पानी टंकी निर्माण का कार्य करवाया गया जिससे स्कूलों में बच्चों के लिये साफ व सुरक्षित पानी की व्यवस्था हो सके। इसमें प्रत्येक टंकी के लिये उरमूल प्लान द्वारा 5000 रूपये एवं शेष राशि शाला प्रबंधन समिति द्वारा सहयोग किया गया।

7. **जल संरक्षण व स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियानः** 18 गांवों में जल व स्वच्छता को लेकर समुदाय को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में अलग अलग गांवों में 4200 लोगों ने भाग लिया। इस अभियान में डण्डकला गांव के 5 बच्चों ने गांव गांव जाकर जल व स्वच्छता को लेकर संदेश दिया। नाबार्ड द्वारा जल अभियान कार्यक्रम में प्लान क्षेत्र के 18 गांवों में बच्चों ने नाटक के द्वारा जल संरक्षण व स्वच्छता के विषय पर लोगों को जागरूक किया।

   इसके अलावा नाबार्ड के सहयोग से कोलायत ब्लॉक के 150 गांवों में जल अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के लिये कृषि जलदूतों का चयन करके गांव का नजरी नक्शा तैयार करने, गांव के जल संरक्षण के परम्परागत स्त्रोतों की पहचान, रैली व संगोष्ठियां आयोजित करके समुदाय को जल संरक्षण, परम्परागत जल स्त्रोतों की देखभाल के लिये जागरूक किया गया। गांवों में इन सबके लिये गांव के अलग अलग क्षेत्र से 11 सदस्यों का चयन करके सहायक कृषि जलदूतों के रूप में जिम्मेदारी दी गई।

8. **इन्सिनेटर मशीन लगवाईः** स्कूलों में पढने वाली बालिकाओं का बीच में पढाई छोड़ने के मुख्य कारणों में एक कारण यह भी है कि माहवारी के दौरान सेनेटरी पैड का निस्तारण व साफ सफाई की उचित व्यवस्थायें स्कूलों में नहीं होती। इसीलिये संस्था द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, झझू में इन्सिनेटर मशीन लगवाई गई जिससे स्कूल की 186 छात्रायें लाभान्वित हो रही हैं। इस मशीन की खरीद व स्वच्छता कक्ष आदि के निर्माण के लिये संस्था द्वारा 50,000 रूपये तथा एक लाख रूपये शाला विकास एवं प्रबन्धन समिति व जन सहयोग द्वारा सहयोग किया गया।
9. **आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोर्टेबल शौचालयः** प्लान क्षेत्र के दो आंगनबाड़ी केन्द्रों– शंभु का भुर्ज व सोलंकियों की ढाणी में पोर्टेबल शौचालय स्थापित किया गया। इस दौरान गांव के जन प्रतिनिधियों, मुखियाओं, बाल क्लबों के सदस्यों व बच्चों के अभिभावकों की उपस्थिति रही।

10. **स्कूलों में विश्व हाथ धुलाई दिवस का आयोजनः** दिनांक 15 अक्टूबर को प्रतिवर्ष की भांति विश्व हाथ धुलाई दिवस का आयोजन परियोजना क्षेत्र के आंगनबाड़ी व स्कूलों में किया गया। आयोजन के दौरान बच्चों को व्यवस्थित रूप से हाथ धोन की प्रक्रिया के बारे मे जानकारी दी गई। उपस्थित समुदाय को उत्तम स्वास्थ्य हेतु हाथ धुलाई के महत्व के बारे में बताया और बच्चों में व्यवहारगत परिवर्तन हेतु अपनी भागीदारी निभाने के लिये प्रेरित किया गया।
11. **विश्व जल दिवस का आयोजनः** दिनांक 22 मार्च 2018 को परियोजना क्षेत्र के 9 गांवों में आयोजित विश्व जल दिवस पर सम्भागियों को जानकारी दी गई कि इस वर्ष ''जल के लिये प्रकृति के आधार पर समाधान'' थीम पर यह कार्यक्रम रखा गया है। बैठकों में पानी को बचाकर रखने व छतों के पानी को कुण्ड से जोड़ने, नदी, तालाब, बरसात के पानी को बचाकर भविष्य के लिये संरक्षित करने, नहाने के पानी को बचाकर घर मे ही किचन गार्डनिंग तैयार करने आदि तरीकों से जल को संरक्षित करने के बारे में बताया गया।

नेशनल लेवल मॉनिटरिंग

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की मॉनिटरिंग का कार्य संस्था को सौंपा गया है। इन प्रत्येक जिलों की 10–10 ग्राम पंचायतों में भारत सरकार द्वारा संचालित 1. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एन.एस.ए.पी.) 2. राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एन.आर.डी.डब्ल्यू.पी.), 3. राष्ट्रीय महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारण्टी कानून (मनरेगा), 4. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.), 5. सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम (एस.बी.एम), 6. समेकित जल संग्रहण प्रबन्धन कार्यक्रम (आई.डब्ल्यू.एम.पी.), 7. इन्दिरा आवास योजना (आई.ए.वाई) व डिजिटल लेण्ड रिकॉर्ड मॉडनाईजेशन प्रोजेक्ट एवं 8. पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कौशल्य योजना आदि कार्यक्रमों का ग्राम पंचायत स्तर पर मॉनिटरिंग का कार्य किया गया।

संस्था के दो दो साथियों को दो दो जिलों की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई। प्रत्येक जिले में प्रतिदिन 2 ग्राम पंचायतों में जिले से प्राप्त रिकॉर्ड के अनुसार जन सुनवाई, केन्द्र सरकार के बजट से विभिन्न योजनाओं में करवाये गये निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन व पेन्शन, राशन, विशेष योग्यजनों की योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करके मॉनिटरिंग का कार्य किया गया।

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत् नेशनल लेवल मॉनिटरिंग कार्य निम्नानुसार जिलों में हुआ–

- वर्ष 2017–18 प्रथम चरण– माह अक्टूबर 2017
  उत्तरप्रदेश के बांदा, फतेहपुर, कानपुर शहर व कानपुर देहात, गुजरात के बनासकांठा व साबरकांठा जिलों के 10–10 गांव।
- 2017–18 द्वितीय चरण– माह फरवरी 2018
  पंजाब के गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर, जालन्धर एवं जम्मू कश्मीर के किश्तवार व डोडा के 10–10 गांव।

सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम व राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत् मॉनिटरिंग का कार्य निम्नानुसार जिलों में हुआ।

इसमें शौचालय (घर, स्कूल व आंगनबाड़ी), पाईप वाटर सप्लाई (घर, स्कूल व आंगनबाड़ी व सार्वजनिक) का भौतिक सत्यापन के साथ मॉनिटरिंग की गईं।

- माह अगस्त 2017– मिर्जापुर के 25 गांवों में।
- अक्टूबर 2017 में हरिद्वार, नैनीताल, पिथौरागढ, पौड़ी गढवाल व रूद्रप्रयाग के 6–6 गांव।
- माह दिसम्बर 2017 में मध्यप्रदेश का विदिशा व महाराष्ट्र के जालना, लातूर, अहमदनगर, नासिक, अमरावती व चन्द्रपुर जिलों के 6–6 गांव।
- फरवरी 2018 में पश्चिमी बंगाल के दार्जीलिंग, अलीपुर द्वार, जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी, उत्तर दीनाजपुर, बांकुरा, झारग्राम व पुरूलिया के 6–6 गांव।

स्पोन्सशिप कार्यक्रम

कम्यूनिकेशन का प्रकार	अप्रेल 2017			मई 2017			जून 2017		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	135	132	3	40	38	2	576	563	13
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	12	12	0	1	1	0	27	26	1
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	10	10	0	6	6	0	15	15	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	6	6	0	3	3	0	6	6	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	46	46	0	0	0	0	19	19	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	109	109	0	0	0	0	163	163	0
फेयरवैल लेटर	24	24	0	30	30	0	31	31	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	91	91	0	3	3	0	116	116	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	17	17	0	23	23	0	21	21	0
ई–मेल कम्यूकेशन	10	10	0	0	0	0	13	13	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	2	2	0	1	1	0	5	5	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	0	0	0	2	2	0	4	4	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	**0**	**0**	**0**	0	0	0	0	0	0
कुल	**459**	**462**	**3**	**109**	**107**	**2**	**996**	**982**	**14**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**35**			**50**			**55**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	जुलाई 2017			अगस्त 2017			सितम्बर 2017		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	697	676	21	343	338	5	116	116	0
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	39	37	2	19	18	1	1	1	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	17	17	0	5	5	0	8	8	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0	3	3	0	0	0	00
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	1	1	0	0	0	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	23	23	0	27	27	00	20	20	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	27	27	0	93	93	0	49	49	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	17	17	0	17	17	0	20	20	0
ई–मेल कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	00	2	2	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	6	6	0	4	4	0	0	0	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	3	3	0	0	0	0	5	5	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	14	14	0	4	4	00	32	32	0
डिजीटल स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	23	1	1	00	1	1	0
कुल	**847**	**824**	**23**	**516**	**510**	**6**	**254**	**254**	**0**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**31**			**59**			**77**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	अक्टुबर 2017			नवम्बर 2017			दिसम्बर 2017		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	214	211	3	31	31	0	68	66	2
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	3	3	0	0	0	0	1	0	1
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	7	7	0	5	5	0	6	6	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	6	6	0	3	3	00	5	5	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	29	29	00	2	2	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	132	132	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	12	12	0	17	17	0	11	11	00
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	24	24	0	50	50	0	283	283	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	11	11	0	16	16	00	11	11	0
ई–मेल कम्यूकेशन	0	0	0	18	18	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	3	3	0	3	3	0	1	1	00
डिजीटल फेयरवैल लेटर	1	1	0	1	1	00	3	3	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0	12	12	00	0	0	0
डिजीटल स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	**6**	**0**	**0**	2	2	0	7	7	0
कुल	**287**	**284**	**3**	**319**	**319**	**0**	**398**	**395**	**3**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**95**			**64**			**12**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	जनवरी 2018			फरवरी 2018			मार्च 2018		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	95	92	3	116	112	4	16	16	0
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	0	0	0	4	4	0	0	0	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	4	4	0	8	0	0	2	2	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	1	1	0	1	0	0	2	2	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	21	0	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	69	00	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	9	9	0	13	0	0	19	19	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	110	110	0	145	00	00	103	103	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	10	10	0	0	0	0	22	22	0
ई–मेल कम्यूकेशन	2	2	0	3	0	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	1	1	0	3	0	0	3	3	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	1	1	0	1	0	0	0	0	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0	0	00	0	0	0	0
डिजीटल स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	9	9	0	5	0	0	0	0	0
कुल	**242**	**249**	**3**	**389**	**385**	**4**	**167**	**167**	**0**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**16**			**20**			**36**		

वित्तीय विवरण

Project Grant Reciept & Expenditure
For the Period April 2017 to March 2018

S.No.	Name of Project / Agency	Recoverable Project Grant as on 01.04.2017	Unspent / Project Grant as on 01.04.2017	Grant Received During the Period	Expenditure During the period	Recoverable Project Grant as on 31.03.2018	Unspent Project Grant as on 31.03.2018
1	ICDS Project	72,433.69	-	17,211,666.00	17,201,159.56	61,927.25	-
2	NABARD Bank SHG Project	-	54,535.00	-	28,303.00	-	26,232.00
3	National Level Monitaring (MORD)	684,448.00	-	1,125,084.00	940,352.00	499,716.00	-
4	Child line India Foundation	34,371.00	-	404,464.00	410,256.00	40,163.00	-
5	Mpower	1,855,916.42	-	4,288,016.00	4,454,065.00	2,021,965.42	-
6	Plan International India Chapter	-	948,054.00	14,056,327.00	13,553,326.00	-	1,451,055.00
7	Urmul Rural Health Research and Dev. Trust, Bikaner (SSI Project)	-	-	293,960.00	260,081.00	-	33,879.00
8	E- Shakti Program (Urmul Trust)	-	20,330.00	344,500.00	95,940.00	-	268,890.00
	Total	**2,647,169.11**	**1,022,919.00**	**37,724,017.00**	**36,943,482.56**	**2,623,771.67**	**1,780,056.00**

INCOME & EXPENDITURE
FOR THE PERIOD 01 APRIL 2017 TO 31 MARCH 2018

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME	AMOUNT
RJ 07 C 2097 Expenses	35,730.00	RJ 07 C 2097 Receipt	85,900.00
Tata Sumo Expenses	55,818.00	Tata Sumo Receipt	31,213.00
Ambulance RJ 07 E0066	23,925.00	Ambulance RJ 07 E0066	15,600.00
Tractor Expenses	40,079.00	Tractor Receipt	9,585.00
Vehicle Expenses (Total)	**155,552.00**	**Vehicle Receipt (Total)**	**142,298.00**
Bank Charge & Interst Paid	6,342.00	Interest Received	65,593.00
Light & Water Expenses	370,045.00	Light & Water Receipt	354,115.00
Telephone Expenses	215,593.00	Telephone Receipt	174,966.00
Residance & Beding Exp.	535,050.00	Residence & Beding Receipt	495,914.00
Mess Expenses	2,034,132.00	Mess Receipt	2,332,936.00
RKCL Programme Exp.	14,324.00	RKCL Programme Receipt	32,850.00
Travelling Expenses (Mpower)	122,085.00	Travelling Received (M.Power)	150,000.00
Urmul Farm Expenses	53,520.00	Urmul Farm Received	107,281.00
Urmul Cow Farm Expenses	111,826.00	Urmul Cow Farm Receipt	73,515.00
Urmul School Expenses	463,138.00	Urmul School Receipt	80,081.00
Generator Expenses	9,820.00	E - Wastage Receipt	14,515.00
Travelling Expenses (Local)	336,893.00	Travelling Received (NLM)	184,623.00
Photocopy,Stationary & Office Exp.	41,780.00	Office Rent Receied (Mpower Project)	84,000.00
Resource person Payment	258,976.00	Resource person Receipt	705,020.00
Other Expenses (Total)	**4,573,524.00**	**Other Receipt (Total)**	**4,855,409.00**
Grand Total Expenses	**4,729,076.00**	**Grand Total Income**	**4,997,707.00**
Excess Of Income over Expenditure	**268,631.00**	***Excess Of Expenditure Over Income***	**-**